आज का विचार

अपनी जिन्दगी पर कभी भी अफसोस मत करना, हो सकता है जैसी जिन्दगी आप जी रहे हैं वो किसी और के लिए एक सपने जैसी हो।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-168 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर, सोमवार 30 जून, 2025

पहला कॉलम

मुख्यमंत्री से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री साविती ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती साविती ठाकुर ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती ठाकुर के साथ प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के संकल्प के तहत विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित बीजापुर, सुकमा, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों में नियद नेल्लानार योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 159 आंगनबाड़ी केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह पहल उन दुर्गम क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को सीधे अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी अवगत कराया कि महतारी वंदन योजना अंतर्गत मार्च 2024 से जून 2025 की अवधि में 70 लाख से अधिक महिलाओं को 10,431.30 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। इससे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत आधार मिला है।

कुछ अलग

बीमारी बढ़ने से पहले उसका रोकथाम करना है आवश्यक, सरकार इस दिशा में है प्रयासरत - जायसवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं ईएसआई हास्पीटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन चेम्बर भवन में किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया और इस दौरान उन्होंने अपने कान का इलाज भी करवाया और कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना जरुरी है, बीमारी बढ़? से पहले उसका रोकथाम करना आवश्यक है एवं सरकार इस दिशा में प्रयासरत है। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से छत्तीसगढ़ को टीबी मुक्त बनायें और चेम्बर से स्वास्थ्य प्रभारी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा, मकान की व्यवस्था सरकार कर रही है लेकिन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री ने चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी को उनके जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए चेम्बर के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सरकार व्यापारिक समुदाय के साथ मिलकर प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। रक्तदान शिविर में चेम्बर महामंत्री के 104 वां रक्तदान पर स्वास्थ्य मंत्री ने उन्हें सम्मानित किया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया।

खरी-खरी

नीगढा के कृतुआश्रम में रमामनीराम बाघेश्वर रखती नशीली दवाएं भी देती

जिनको जन्म दिया वो देखभाल न कर सकें, दूसरों से क्या उम्मीद करेंगे!

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पांच साल से छिपा माओवादी अंकल गिरफ्तार, 15 जवानों की हत्या का है आरोपी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमाओं पर लंबे समय से सक्रिय माओवादी अंकल उर्फ मन्नू पल्लो (२८) को गढ़चिरौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह बारुदी सुरंग विस्?फोट में १५ जवानों की हत्?या के मामले में शामिल रहा है। यह गिरफ्तारी २७ जून को की गई। उसे गढ़चिरौली के नई स्थापित पोस्ट कवंडे के करीब जंगल क्षेत्र से राइफल के साथ सीआरपीएफ ने गिरफ्तार किया। आरोपित पर कई जिलों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह २०२० से अपनी पहचान छिपा कर बचता फिर रहा था। पुलिस ने बताया कि, वह सुरक्षाबलों की टोह ले रहा था। उस पर छह लाख का

इनाम घोषित था।

जंगलों में छिपकर रह रहा था माओवादी

गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ है कि अंकल उर्फ मन्नू ने सुरक्षा बलों से बचने के लिए २०२० से लगातार गढ़चिरौली के गहरे जंगलों में छिपकर रहना शुरू कर दिया था। बीते कुछ वर्षों में वह कई बार एनकाउंटर में बाल-बाल बच चुका था। आरोपी पर २०१२ से लेकर २०२० तक माओवाद गतिविधियों में शामिल होने, हिंसक घटनाएं करने और संगठन को मजबूत करने के आरोप हैं। वह वर्ष २०२० में हुई पेरमिली मुठभेड़, २०२१ के कोरची एनकाउंटर में बाल-बाल बच चुका था। आरोपी पर २०१२ से लेकर २०२० तक माओवाद गतिविधियों में शामिल होने, हिंसक घटनाएं करने और संगठन को मजबूत करने के आरोप हैं। वह वर्ष २०२० में हुई पेरमिली मुठभेड़, २०२१ के कोरची हमले समेत कई मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस के मुताबिक, वह लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहकर रणनीतिक भूमिकाएं निभा रहा था।

गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा

गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर संगठन की वर्तमान स्थिति और अन्य नक्सलियों की जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। गढ़चिरौली पुलिस बल ने माओवादी विरोधी अभियान के बीच जनवरी २०२२ से अब तक कुल १०४ माओवादियों को गिरफ्तार किया है।

तीन मुठभेड़ और दो हत्या के मामले शामिल

पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि, उक्त माओवादी ०१ मई २०१९ को जांभुलखेड़ा जंगल क्षेत्र में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में १५ पुलिस कर्मियों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल था। उसे २९ मार्च २०२१ को मौजा खोबरामेढ़ा के वन क्षेत्र में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ के सिलसिले में उसे गिरफ्तार किया गया था। वह सात दिनों की पुलिस हिरासत में भी रहा था। उस पर अब तक पांच मामले दर्ज हैं, जिनमें तीन मुठभेड़ और दो हत्या के मामले शामिल हैं।

हाइब्रिड धान को लेकर किसानों का मोह भंग – गुणवत्ता और लागत बनी समस्या, सहकारी समितियों की ओर बढ़ता रुझान

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे अंचल में खेती-किसानी ग्रामीण जीवन का आधार है। परंतु पिछले कुछ वर्षों से किसानों के बीच एक नई चिंता गहराती जा रही है — और वह है हाइब्रिड धान की खेती से मोहभंग। पहले जहां हाइब्रिड बीजों को अधिक उत्पादन और रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण किसानों द्वारा हाथोंहाथ अपनाया गया था, वहीं अब किसानों में इससे दूरी बनती जा रही है। इसकी वजहें स्पष्ट हैं — अत्यधिक बीज लागत, गुणवत्ता की गिरावट और फसल के बाद उपज का संतोषजनक मूल्य न मिलना। **महंगे बीजों ने बढ़ाई चिंता** - हाइब्रिड धान के बीजों की कीमतें अब आम किसान की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं। एक एकड़ खेत के लिए आवश्यक बीजों की कीमत स्थानीय बाजारों में ?१२०० से ?१५०० प्रति किलो तक हो चुकी है। जबकि पारंपरिक या संशोधित (मॉडिफाइड) किस्में सहकारी समितियों या सरकारी कृषि केंद्रों से बहुत ही कम कीमत पर उपलब्ध हैं। **किसान गुरुदेव पांडे, जो कि पिछले चार वर्षों से हाइब्रिड धान की खेती कर रहे थे, कहते हैं** - हाइब्रिड बीज लेने में ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं, और ऊपर से खाद, कीटनाशक व अन्य लागत अलग। फिर भी उपज की गुणवत्ता ऐसी नहीं होती कि अच्छी कीमत मिल सके। अब हमने निश्चय किया है कि आगामी सीजन से सरकारी समिति से बीज लेकर संशोधित धान ही बोएंगे। केवल किसान ही नहीं, बल्कि धान का उपभोग करने वाले आम उपभोक्ताओं में भी हाइब्रिड धान की गुणवत्ता को लेकर निराशा देखने को मिल रही है। विशेषकर स्वाद, पका हुआ चावल गीला या गोंद जैसा होना, और भंडारण में जल्दी खराब होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

शह और मात के खेल में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। सेंट पैट्रिक्स अकादमी मनेंद्रगढ़ में 28 जून को बहुप्रतीक्षित इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। आयोजन में चारों सदनों - टैगोर, गांधी, नेहरू और प्रसाद की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें युवा पैट्रिशियनों की रणनीतिक प्रतिभा और मानसिक चपलता का प्रदर्शन किया गया।

प्रतियोगिता राजेंद्र मंडल के सावधानीपूर्वक निरीक्षण में आयोजित की गई, जिन्होंने निष्पक्ष खेल और मैचों के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित किया। सीनियर वर्ग में छात्रों ने सराहनीय कौशल और संयम का प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग में प्रांजल श्रीवास्तव तेज चाल और शांत दिमाग के साथ विजयी हुईं। वहीं बालक वर्ग में प्रतीक सेठी ने अपने विरोधियों को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर सेक्शन ने भी नवोदित प्रतिभाओं और आशाजनक शतरंज रणनीतियों का प्रदर्शन किया। छात्रा अवनी पांडेय ने अपने केंद्रित खेल के साथ बालिका वर्ग में पहला स्थान हासिल और प्रतिस्पर्धी भावना का उत्सव था, जो समग्र विकास पर अकादमी के जोर को दर्शाता है। प्रिंसिपल और स्टाफ ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए अकादमिक और पाठ्येतर गतिविधियों दोनों में खोज जारी रखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। इंटर-हाउस शतरंज प्रतियोगिता ने न केवल हाउसों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, बल्कि छात्रों के बीच आलोचनात्मक सोच और अनुशासन की संस्कृति को भी बढ़ावा दिया।

सोल्लास मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम प्राथमिक शाला दक्षिण पारा बंजी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा भगत बाबू, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य अय्यूब लाल एवं विशिष्ट अतिथि सीता देवी आयम, देव कुमार सरपंच बंजी, उत्तरा कुमार महर्षि प्राचार्य बंजी, परमेश्वर सिंह, अशोक मंडल, बृजेश कुमार शर्मा, प्रेम सिंह आयम, हिरदन सिंह, रामदीन सिंह, जीवन सिंह, नीरंग सिंह, दलबीर सिंह, शिव कुमारी, इंद्र कुंवर, फूलकुंवर, सुकवरिया, अमित राय, नीलेश्वरी, कन्हैया लाल एवं प्रधानपाठक नभाग सिंह रहे।

मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ राजगीत से किया गया। अतिथियों द्वारा नव प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर, मिष्ठान्न खिलाकर एवं पुस्तक देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि भगत बाबू के द्वारा पहले की शिक्षा पद्धति और वर्तमान शिक्षा नीति के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने सांस्कृतिक मंच के लिए घोषणा की। प्राचार्य अय्यूब लाल ने नवप्रवेशी बच्चों को आशीर्वचन देते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने व अपने माता-पिता का सपना साकार करने के लिए कहा। उपस्थित सभी अतिथियों के न्योता भोजन उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।

बच्चों ने प्रकृति के प्रति प्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी का किया सुंदर प्रदर्शन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे विद्यार्थियों के लिए बेस्ट नेचर कलेक्शन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के करीब लाना, उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके सामाजिक और भावनात्मक कौशल को सुदृढ़ करना था।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने पत्तियां, फूल, बीज, पत्थर, छोटी टहनियां और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं का सुंदर संग्रह प्रस्तुत किया। कुछ बच्चों ने अपने संग्रह के पीछे की कहानी भी साझा की - जैसे पेड़ के नीचे गिरी हुई विशेष पत्ती को संजोकर लाने का कारण या सुबह की सैर में मिली हुई अद्भुत आकृति वाली टहनी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि बच्चों ने केवल वस्तुएं ही इकट्ठी नहीं कीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी महसूस किया। विद्यालय के निदेशकों और शिक्षकों ने बच्चों की इस संवेदनशीलता और समर्पण की प्रशंसा की। प्रतियोगिता को बच्चों की सामाजिक सहभागिता, संचार कौशल, नेतृत्व, और टीमवर्क को बढ़ावा देने का एक सुंदर माध्यम बताया गया। प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी में विराज सिंह प्रथम, अयांश गुप्ता द्वितीय एवं राम पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा केजी-1 में काशवी सोनी एवं आत्मिका गुप्ता प्रथम, युग भारद्वाज एवं अंश कुशवाहा द्वितीय ऐशनि नरूला एवं शिवांश शर्मा तृतीय तथा केजी-2 में जमीनां हयात खान प्रथम, श्रीनिका पांडेय द्वितीय एवं नित्या गुप्ता व आद्रिशा पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

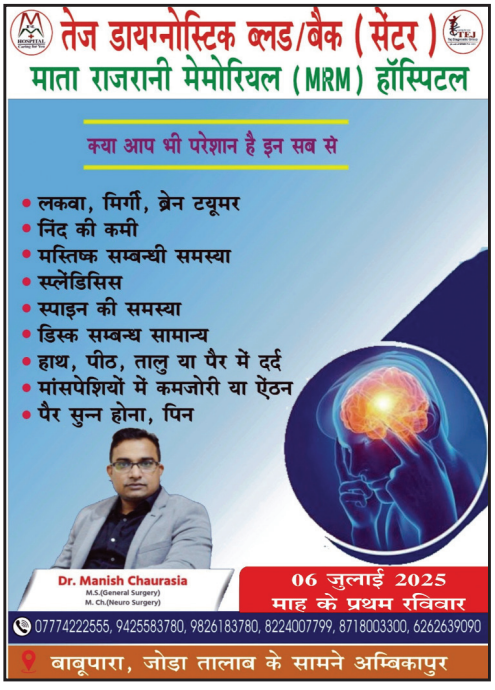

पहला कालम

कोल कर्मियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल 9 जुलाई को, खदानों में ठप रहेगा काम

विश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

एसईसीएल समेत कोल इंडिया की सभी इकाईयों के कर्मचारी ९ जुलाई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर जाने वाले हैं। यह हड़ताल केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ चार प्रमुख केंद्रीय श्रमिक संगठनों द्वारा आहूत की गई है। एचएमएस, एटक, इंटक और सीटू के नेताओं ने एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को हड़ताल की विधिवत नोटिस सौंप दी है। नोटिस में साफ तौर पर उल्लेख किया गया है कि ९ जुलाई को एसईसीएल की सभी खदानें, क्षेत्रीय कार्यालय, प्रतिष्ठान, स्थापना शाखाएं और ठेका श्रमिक एक दिन के लिए कार्य से विरत रहेंगे। गौरतलब है कि यह हड़ताल पहले २० मई को प्रस्तावित थी, लेकिन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले और देश की संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए ९ मई और १५ मई को दिल्ली में हुई संयुक्त बैठक में इसकी तिथि आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। अब यह हड़ताल ९ जुलाई को आयोजित होगी। श्रमिक संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार और कोल इंडिया प्रबंधन द्वारा मजदूरों की मौजूदा वेतन व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। ठेका कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा और मजदूरी संबंधित समस्याओं को लंबे समय से नजर अंदाज किया जा रहा है। श्रमिक संगठनों का आशंका है कि कोल सेक्टर में निजी कंपनियों को बढ़ावा देने की नीति अपनाई जा रही है, जिससे स्थायी रोजगार पर संकट है। हालांकि भारतीय मजदूर संघ बीएमएस के एक नेता का कहना है कि न तो हम इसका समर्थन करते हैं और न ही इसका विरोध करते हैं।

कुल्हाड़ी से एटीएम तोड़कर लूट का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सुकमा। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय के परिसर स्थित एटीएम को लूटने का प्रयास किया गया। आरोपी ने कुल्हाड़ी से एटीएम को तोड़कर पैसे निकलने के प्रयास के दौरान मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस की गाड़ी देखकर भागने की कोशिश कर रहे एक आरोपी देवेंद्र यादव निवासी ग्राम सूर्यपाल थाना कूकानार को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर परिसर के भीतर जिला मुख्यालय का एकमात्र एटीएम पंजाब नेशनल बैंक का स्थित है। बीती देर रात 2 बजे बॉम्बे स्थित हेड क्वार्टर में सायरन बजा, जिसके बाद आनन-फानन में जिले के बड़े अधिकारियों को फोन आया, और फिर पुलिस हरकत में आई। पुलिस गाड़ी को देख एटीएम को तोड़ रहे आरोपी देवेंद्र यादव भागने का प्रयास किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी, जिसे गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले को लेकर सुबह पंजाब नेशनल बैंक के कर्मचारी ने थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करवाई, जिसके बाद आगे की कारवाई की जा रही है।

पीएमश्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति हुआ का गठन

कांकेर। जिले के पीएमश्री विद्यालय भानुप्रतापपुर में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया गया जिसमें नरोत्तम सिंह चौहान अध्यक्ष, संस्था के प्राचार्य पीआर. भारद्वाज सचिव, वरिष्ठ व्याख्याता महेंद्र सिंह टांडिया कोषाध्यक्ष नियुक्त किए गए ध्र श्रीमती सुमित्रा साहु, श्रीमती संगीता टांडिया, कमलेश गावडे, राहुल सिंह धुन्ने, राजकुमार दुवे, राजकुमार यादव, हर्षवर्धन कुंजाम एवं श्रीमती साक्षी देवांगन को पालक समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है।

संस्था से सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं गणित विषय से क्रमशः लिगेंद्र साहू, कमलेश विनायक एवं प्रवीण साहू को भी समिति में शामिल किया गया। मानवीकी, कला तथा संस्कृति व आडिट एवं अकाउंट के लिए क्रमशः श्रीमती ज्योति नगरिया, राम कुमार बंजारे, नागेश्वर महावे को शामिल किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्तर की विभिन्न समस्याओं के निराकरण, छात्रों की सतत प्रगति, सर्वांगीण विकास, तथा शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ व्याख्याता एमके. टांडिया ने किया।

जगन्नाथ पुरी के लिए स्पेशल ट्रेन 5 जुलाई को जगदलपुर से निकलेगी, 7 जुलाई को पुरी से वापस लौटेगी

जगदलपुर। बस्तर जिला मख्यालय जगदलपुर से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी के लिए रेलवे गोंचा स्पेशल ट्रेन जुलाई के पहले सप्ताह 5 और 7 जुलाई को यह ट्रेन चलेगी, गोंचा स्पेशल ट्रेन 5 जुलाई को जगदलपुर से निकलेगी और 7 जुलाई को यही ट्रेन पुरी से जगदलपुर वापस लौटेगी।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार 5 जुलाई को जगदलपुर रेलवे स्टेशन से सुबह 9 बजे यह ट्रेन ओडिशा के जगन्नाथ पुरी के लिए रवाना होगी। जो रात 1:15 मिनट पर पुरी पहुंच जाएगी। वहीं 7 जुलाई की रात 12:45 को यह ट्रेन पुरी से रवाना होगी और शाम 4:45 को यह जगदलपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 4 स्लीपर, 2 जनरल सेकंड क्लास, 2 सेकंड क्लास एवं दिव्यांगजनों के लिए कोच होंगे। ट्रेन का टिकट कितने रुपए का है ये अभी रेलवे ने स्पष्ट नहीं किया है। यात्रियों को जगदलपुर रेलवे स्टेशन से आसानी से टिकट मिल जाएगा। वहीं किरंदुल से विशाखापट्टनम और विशाखापट्टनम से किरंदुल तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन में 1 जुलाई से 1 अगस्त तक अतिरिक्त कोच जोड़ा जा रहा है, जिससे यात्रियों को इसका सीधा फायदा होगा।

आरटीओ व उड?दस्ता ने 7 वाहनों से 12 लाख का बकाया टैक्स वसूला, 5 करोड़ वसूली का लक्ष्य

जगदलपुर। जिले के परिवहन विभाग के आरटीओ एवं उड ?दस्ता प्रभारी की टीम ने बस्तर के 250 वाहनों पर 5 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया वसूली के लक्ष्य को पूरा करने में जुटे हुए हैं। इसकी वसूली के लिए आरटीओ ने बकायादार वाहन मालिकों को नोटिस देकर बकाया का भुगतान करने को कहा गया । भुगतान नहीं देने पर दूसरी नोटिस दी जाएगी, उसके बाद तीसरी बार नोटिस के साथ वाहन की कुर्की की जाएगी । इस दौरान आरटीओ की टीम ने टैक्स बकायादार 7 वाहनों से लगभग 12 लाख रुपये का टैक्स वसूला है। बस्तर संभाग में पहली बार परिवहन विभाग वाहनों पर टैक्स बकाया के लिए कुर्की की तैयारी कर रही है। इसके लिए मालिकों के वाहनों एवं चल, अचल संपत्ति का ब्यौरा लिया जा रहा है। टैक्स बकाया वाले वाहन नहीं मिलने पर मालिक की दूसरी वाहन या संपत्ति की कुर्की की जाएगी।

आत्मसमर्पित 30 नक्सली बने राज मिस्त्री एसपी ने प्रमाण पत्र प्रदाय किया

सुकमा। छत्तीसगढ़ सरकार के मंशानुरूप कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं एसपी किरण चव्हाण के आदेशानुसार पुनर्वास केंद्र में रह रहे 30 आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज मिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रशिक्षण प्राप्त आत्मसमर्पित नक्सलियों को सुकमा एसपी किरण चव्हाण के हाथों प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। ज्ञात हो सरकार ने घोषणा किया था आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास केंद्र में रख कर उन्हें रोजगार हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा।

जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के तीसरे चरण में ७५ पंचायतों में सरपंच व वीएलई के मध्य एमओयू की कार्यवाही के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव तथा सीईओ जिला पंचायत श्री विनय कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच व वीएलई के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर किया गया तथा अनुबंध पत्र का हस्तांतरण किया गया।

आस-पास

शिक्षा के नाम पर निजी विद्यालयों का कागजों में संचालन, आरटीई में शासन को लगा रहे चुना

विश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

जिले की शिक्षा व्यवस्था इन दिनों एक बड़े संकट के दौर से गुजर रही है। एक के बाद एक खुलासों से साफ होता जा रहा है कि शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले निजी विद्यालय अब एक संगठित अपराध का अड्डा बनते जा रहे हैं। जिले भर में दर्जनों ऐसे स्कूलों की पहचान हुई है, जो महज कागजों पर चल रहे हैं। असल में न तो उनका कोई भवन है, न शिक्षक, न बच्चे, मगर सरकारी फाइलों में सबकुछ मौजूद है। यही मौजूदगी हर महीने लाखों रुपए आरटीई के तहत इन फर्जी संस्थानों के मालिकों के खातों में पहुंच रही है। सूत्रों के अनुसार जिले में सक्रिय निजी विद्यालय संचालकों का एक ऐसा गिरोह काम कर रहा है, जिसने स्कूल खोलने के नाम पर पूरे तंत्र को ठगने का कारोबार शुरू कर रखा है। ये संचालक गांव-कस्बों में किराए के छोटे कमरों में फ्लैक्स बोर्ड लगाकर फर्जी स्कूल की तस्वीरें खिंचवाते हैं और फिर उसी के आधार पर जिला शिक्षा कार्यालय से मान्यता लेने के लिए आवेदन करते हैं। सेटिंग-गेटिंग के सहारे मान्यता हासिल कर लेने के बाद ये संचालक कागजों में बच्चों का फर्जी नामांकन करते हैं, नोडल अधिकारियों से बिना निरीक्षण के फर्जी रिपोर्ट तैयार करा मान्यता प्राप्त करते हैं और आरटीई के अंतर्गत शासन से लाखों की राशि हड़प लेते हैं। कुछ मामलों में तो फर्जी नामांकन की संख्या इतनी अधिक रही है कि एक ही व्यक्ति के नाम पर दर्जनों स्कूलों से करोड़ों की वसूली की जा चुकी है। यह शिक्षा घोटाला नया नहीं है।

इसके पीछे वर्षों पुराना जाल है, जिसे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारियों के कार्यकाल में चुना गया। ज्ञात हो कि जिले में पदस्थ रहे एक पूर्व डीईओ को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था। आरोप है कि उन्होंने निजी विद्यालय संचालकों से धन लेकर उन्हें अवैध रूप से मान्यता दिलवाई थी ।शिक्षा विभाग के भ्रष्ट अमले के संरक्षण में शिक्षा माफिया को खुला मैदान मिला और दर्जनों फर्जी स्कूल अस्तित्व में आ गए। अब तो हद यह हो गई है कि कुछ फर्जी संचालकों ने नोडल अधिकारियों की मुहर व हस्ताक्षर की भी नकल कर आवेदन प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग के कई अधिकारी अब खुद मैदान में उतरकर जांच कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में आरटीई के तहत करोड़ों रुपए की राशि शासन द्वारा निजी विद्यालयों को वितरित की जानी है। यदि समय रहते विद्यालयों की मान्यता नवीनीकृत नहीं हुई तो ये भुगतान अटक सकते हैं। यही कारण है कि फर्जी स्कूल संचालकों की बेचैनी चरम पर है। अब वे हर संभव दबाव बनाकर मान्यता लेने की जुगत में जुटे हैं। शिकायतों के अनुसार दर्जनों निजी विद्यालय ऐसे हैं जहां न तो स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है, न शौचालय, न खेल का मैदान और न ही पर्याप्त शिक्षक और तो और खंडहर नुमा टीन शेड के भवनों में स्कूलों का संचालन किया जा रहा है बावजूद इसके कागजों में इन स्कूलों को आदर्श विद्यालय दिखाया गया है। कई स्कूल के पास महज एक दो कमरे हैं, लेकिन दस्तावेजों में दो से तीन सौ बच्चों के नाम दर्ज हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि कई संचालक गांवों में घूम-घूमकर बच्चों के आधार कार्ड इकट्ठा करते हैं और फिर उनके नाम पर बिना किसी जानकारी के फर्जी दाखिला दर्शाते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों के अभिभावकों को न तो स्कूल का पता होता है, न ही यह मालूम होता है कि उनका बच्चा कहां और किस स्कूल में पढ़ रहा है।

नए डीईओ की सख्ती से खुलने लगे पोल

वर्तमान में पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी ने जब इन फर्जी स्कूलों पर शिकंजा कसने की पहल की, तो विरोध की राजनीति शुरू हो गई। डीईओ ने ऐसे मामलों में पारदर्शिता लाने नई व्यवस्था लागू की है जिसके तहत बिना भौतिक निरीक्षण और नोडल अधिकारी की पुष्टि के अब किसी भी विद्यालय की मान्यता का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। इससे घबराए फर्जी स्कूल संचालकों ने डीईओ के खिलाफ ही मोर्चा खोल रखा है।

एक ही बच्चा दो स्कूलों में दर्ज, शिक्षक का तबादला

हाल ही में एक बड़ा मामला सामने आया जिसमें प्राथमिक शाला ग्लोब स्कूल बिश्रामपुर में पढ़ने वाले तीन बच्चों का नाम एक निजी स्कूल में भी दर्ज पाया गया। इसके चलते सरकारी स्कूल में छात्र संख्या कम हो गई और वहां पदस्थ एक शिक्षक युक्तियुक्तकरण के जद में आ गया जिसका ओहदगी तबादला कर दिया गया बताया जाता है कि शिक्षक ने शिक्षा विभाग को लिखित में आवेदन दे पूरा मामला बताया लेकिन उसकी एक नहीं सुनी गई जबकि इसकी जांच होनी चाहिए थी कि बच्चे जब शासकीय प्राथमिक शाला में अध्ययनरत हैं तो निजी स्कूल संचालक किस तरह अपने विद्यालय में बच्चों का नाम दर्ज कर रखा है । यह शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामी का स्पष्ट उदाहरण है।

एक ही डाइस कोड पर दो स्कूल

कुछ फर्जी संस्थानों ने शिक्षा विभाग को भी गुमराह कर रखा है। एक ही यू डाइस कोड पर हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के दो-दो स्कूल दिखाकर फर्जी मान्यता प्राप्त की जा रही है। यह तकनीकी धोखाधड़ी शिक्षा व्यवस्था के साथ खुला मजाक है। इस पूरे मामले पर असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा ने नाराजगी जताते हुए शासन प्रशासन से तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के नाम पर चल रहे उद्योग को बंद करना अनिवार्य हो गया है, वरना इसका सीधा असर बच्चों के भविष्य और सरकारी कोष पर पड़ेगा। इस संबंध में जब जिला शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा से संपर्क का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने न कॉल रिसीव किया और नहीं कॉल बैक करना ही उचित समझा। संयुक्त संचालक शिक्षा हेमंत उपाध्याय ने कहा कि इस विषय में डीईओ ही बता सकती हैं क्योंकि उनके जिले का मामला है मै उनसे इस विषय में जरूर चर्चा कर जानकारी लूंगा।

एटक यूनियन की सामाजिक पहल को नगरवासियों ने सराहा

बिश्रामपुर में भी स्वर्ग रथ की सुविधा कराई उपलब्ध

विश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक परिवार विश्रामपुर ने सामाजिक पहल करते नगर वासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क स्वर्ग रथ वाहन को समर्पित किया । उक्ताशय की जानकारी देते हुए एटक के क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य सजल मित्रा ने बताया कि विश्रामपुर जैसे बड़े आबादी वाले नगर में अब तक स्वर्ग रथ की समस्या से आमजनो को जूझना पड़ता था नगर में किसी भी परिवार के सदस्य की मृत्यु हो जाने पर पर उन्हें सूरजपुर नगर पालिका का सहयोग लेना पड़ता था। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक विश्रामपुर के लोगों ने इस समस्या के समाधान हेतु संगठन के सभी जिम्मेदार साथियों तथा नगरवासियों के सहयोग से बहुप्रतिक्षित नयी टाटा एस गाड़ी क्रय कर स्वर्ग रथ वाहन का निर्माण करवाया। जिसका लोकार्पण जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा शनिवार को एटक कार्यालय में कर स्वर्ग रथ को नगरवासियों को समर्पित किया गया। एटक नेता राजेश त्रिपाठी ने बताया कि एटक यूनियन के सभी साथी ना सिर्फ मेहनत कश श्रमिकों, कर्मचारियों के हक के लिए संघर्ष करता है बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के क्रियाकलापों में भी बढ़चढ़ कर अपनी भूमिका निभाता है। जिसके तहत हाल ही में केंद्रीय चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान दिवस को आधे से ज्यादा एटक यूनियन के साथियों ने रक्तदान किया गया। इसके अतिरिक्त एटक द्वारा निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय का संचालन, युवाओं को नशे से दूर करने के लिए निःशुल्क जिम का संचालन एवं लाल मैदान में महिला एवं पुरुषों का राष्ट्रीय स्तर का बालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा चुका है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एटक के केंद्रीय महासचिव, एसकेएमएस एटक बिलासपुर अजय विश्वकर्मा, नपं उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, सहक्षेत्र प्रबंधक अमेरा राजेश खन्ना, अनुपम फिलिप, राजेश सिंह, शीतिकांत स्वाई, राजेश यादव ने एटक के सामाजिक कार्यों में भागीदारी की प्रशंसा की। इसके पश्चात अतिथियों के साथ नपं बिश्रामपुर अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव, नपं शिवंदनपुर अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल, सहक्षेत्र प्रबंधक कुम्दा विजय कुमार, सहक्षेत्र प्रबंधक आमगांव अश्वनी चंद्रा सहक्षेत्र, हीरालाल, पंकज गर्ग द्वारा स्वर्ग रथ को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पण किया गया।

धरती आबा योजना से ओंकार नाथ के जीवन में हो रहा सकरात्मक बदलाव

बेमेतरा। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित शिविरों के माध्यम से बेमेतरा जिले के सुदूर और पिछड़े गांवों में जनसेवाओं को नजदीक लाकर आमजन के जीवन में सार्थक परिवर्तन की दिशा तय की है। ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण है। विकासखंड साजा के ग्राम कोरवाय निवासी ओंकार नाथ का। ओंकारनाथ के जीवन में सकरात्मक बदलाव हो चुकी है।

ओंकार नाथ एक मेहनती और ईमानदार खेतिहर मजदूर हैं, जो लंबे समय से मनरेगा व अन्य निर्माण कार्यों में असंगठित क्षेत्र में श्रमिक के रूप में कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। लेकिन सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव और आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण वह अब तक किसी भी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं ले पाए थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय शिविर का आयोजन जब ग्राम कोरवाय में किया गया। तब ओंकार नाथ भी अपनी जिज्ञासा और उम्मीदों के साथ शिविर में पहुंचा। वहां उन्हें श्रम विभाग की टीम ने श्रमिक पंजीयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दस्तावेजों की तत्काल जांच कर शिविर में ही उनका नवीन श्रम कार्ड बनाया गया। यह ओंकार नाथ के जीवन की दिशा बदलने वाला क्षण सबित हुआ। ओंमकार नाथ का नवीन श्रम कार्ड पंजीयन हुआ। कार्ड मिलने के बाद अब उनको राज्य सरकार की श्रम कल्याण योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। भविष्य में जैसे कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल की ओर से श्रमिक बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, मृत्यु सहायता, औजार सहायता, पेंशन और मकान निर्माण सहायता जैसी योजनाओं का लाभ वे भी उठा सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने शिविर के दौरान आधार अपडेट, आयुष्मान कार्ड और बैंक खाता आधार से लिंक की प्रक्रिया भी पूरी की। ओंकार नाथ कहते हैं, "पहले उन्हें नहीं पता था कि सरकार से इतना कुछ मिल सकता है। अब उम्मीद है कि हमारे बच्चों की पढ़ाई और हमारे जीवन की कठिनाइयों में कुछ राहत जरूर मिलेगी। यह शिविर हमारे गांव के लिए वरदान से कम नहीं है।" उनकी यह सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इस बात की मिसाल भी है कि जब सरकार की योजनाएं लोगों के द्वार तक पहुंचती हैं और सही मार्गदर्शन मिलता है, तो जीवन में सकरात्मक बदलाव आता है।

अवैध रेत उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई, 1 चैन माउंटेन वाहन जप्त

महासमुंद। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निदेशानुसार अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु खनिज विभाग द्वारा सतत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में 27 जून को संयुक्त टीम द्वारा महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम कराडीह महानदी क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए एक चैन माउंटेन वाहन को जप्त किया गया। वाहन को जब्त कर सुरक्षार्थ तुमगांव थाना में खड़ा किया गया है।

खनिज अधिकारी श्री योगेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त वाहनों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से हितग्राही जीवन कुर्रे को बिजली बिल से मिला छुटकारा

बलौदाबाजार-भाठापारा। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हो रही है। इस योजना का लाभ लेकर कई ग्रामीण अब बिजली के खर्च से राहत पा रहे हैं और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहे हैं। बलौदाबाजार-भाठापारा जिला के बिलाईगढ़ विकासखंड में ऐसे ही एक प्रेरणास्रोत ग्राम पिपरडुला निवासी जीवन लाल कुर्रे हैं, जो पेशे से वकील हैं। अब उनके घर का बिजली बिल बेहद कम आता है, जिससे उन्हें हर महीने आर्थिक लाभ मिल रहा है।

जीवन लाल कुर्रे ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार और टेलीविजन के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होंने स्वयं ही योजना की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया। हितग्राही कुर्रे ने 1,50,000 रूपए का निवेश कर अपने घर की छत पर सोलर पैनल सेटअप लगाया। इस पर उन्हें केंद्र सरकार से 63,000 रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई।

हितग्राही जीवन लाल कुर्रे ने योजना के संबंध में कहा कि पीएम सूर्य घर योजना ने मेरे घर को रोशन किया और बिजली बिल से छुटकारा मिला है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी से आमजन लाभान्वित हो रहे हैं। आर्थिक लाभ किसी भी व्यक्ति के जीवन एक बड़ा हिस्सा होता है, जिससे उसकी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहायक होता है। उन्होंने सरकार के प्रति आभार जताया और कहा कि इस योजना का लाभ लेने लोगों को चाहिए।

मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण की अनूठी पहल

ग्राम पंचायतों में 125 संरचनाओं का निर्माण, भू-जल स्तर में वृद्धि की दिशा में बड़ा कदम

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

जिले में मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण और भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर और जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में मनरेगा योजना के तहत जल संवर्धन के लिए विभिन्न संरचनाओं का निर्माण तेज गति से जारी है। जनपद पंचायत उदयपुर के पांच पंचायतों में पलका, फुलचूही, रिखी, लालाती और केसमा इस महाभियान का केंद्र बनी हैं। यहां पहाड़ी ढलानों पर कुल १२५ संरचनाएं बनाई जा रही हैं, जिनमें स्ट्रेंथ ट्रेंच, कंटूर ट्रेंच, वाटर एब्जॉरप्शन ट्रेंच, लूज बोल्डर चेक डैम, गली प्लग और डबरी शामिल हैं। इन संरचनाओं का मुख्य उद्देश्य बरसात के मौसम में नालों के माध्यम से बहकर व्यर्थ जाने वाले पानी को रोकना और उसे धरती में समाहित कर भू-जल स्तर को बढ़ाना है।

इन कार्यों की योजना बनाने और कार्यान्वयन में आधुनिक ड्रोन तकनीक (जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम) का उपयोग किया जा रहा है। ड्रोन तकनीक की मदद से रिज टू वैली (पहाड़ी की चोटी से घाटी तक) सिद्धांत पर आधारित स्ट्रक्चर्स की प्लानिंग की गई है ताकि बारिश का पानी व्यवस्थित तरीके से संरचनाओं में एकत्र हो और अधिकतम जल संचयन हो सके। मिट्टी कटाव पर भी लगेगा अंकुश

पूर्व में इन क्षेत्रों में वर्षाजल के बहाव से बड़े पैमाने पर मिट्टी कटाव की समस्या उत्पन्न होती थी। अब इन संरचनाओं के निर्माण से न केवल जल संरक्षण होगा बल्कि मिट्टी कटाव की समस्या पर भी स्थायी समाधान मिलेगा। इन संरचनाओं से नालों का बहाव धीमा होगा और पानी धीरे-धीरे भूमि में रिसकर भू-जल भंडार को समृद्ध करेगा। इस महाभियान से ग्रामीणों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य उनके गांवों की जल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इन कार्यों से आने वाले वर्षों में सिंचाई, पीने के पानी और पर्यावरण संरक्षण में बड़े बदलाव दिखेंगे।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने मार्गदर्शन में मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जिले में जल संरक्षण की दिशा में हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि यह अभियान जिले में जल संकट दूर करने में मील का पत्थर साबित हो। जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण जनसहभागिता से किया जा रहा है ताकि लोगों में भी जल के प्रति जागरूकता बढ़े और वे अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

छोटी खबरें

वाणिज्यिक कर विभाग में पारदर्शिता और सुधार की नई पहल : वर्षों बाद हुए व्यापक तबादले

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की गुड गवर्नेंस नीति के अनुरूप सभी विभागों में शासकीय कार्यप्रणाली को पारदर्शी, निष्पक्ष और जनहितकारी बनाने की दिशा में अनेक पहल की जा रही है। इसी क्रम में वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग में वर्षों बाद बड़े पैमाने पर तबादले किये गये हैं। इससे पहले विगत दो-तीन वर्षों में विभाग में एकाध बार ही सीमित संख्या में (केवल 10-15 अधिकारियों के) ही तबादले हुए थे। जीएसटी विभाग के अधिकांश अधिकारी-कर्मचारी एक ही पदस्थापना स्थल पर लंबे समय से कार्यरत थे। कुछ अधिकारी तो लगातार 18 वर्षों तक एक ही स्थान पर पदस्थ थे। यह स्थिति विभाग के कार्य निष्पादन और कर संग्रहण में पारदर्शिता तथा निष्पक्षता की भावना को बाधित करती है।

विभाग में स्वीकृत 35 राज्य कर उपायुक्त पदों में से 17 अधिकारियों को पदोन्नति उपरांत नवीन पदस्थापना प्रदान की गई। शेष 8 उपायुक्तों में 3 अधिकारी पिछले 10 वर्षों से, 2 अधिकारी 8 वर्षों से तथा 3 अधिकारी 4-5 वर्षों से रायपुर में पदस्थ थे। इसके अतिरिक्त 8 उपायुक्त तथा 4 सहायक आयुक्त 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही कार्यरत थे।

178 राज्य कर अधिकारी/राज्य कर निरीक्षक भी पिछले 4-5 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ थे, जिनमें से 34 राज्य कर अधिकारी एवं 45 राज्य कर निरीक्षक लगातार 5 वर्षों से अपने गृह जिले में ही नियुक्त थे। टैक्स कलेक्शन विभाग होने के कारण इतनी लंबी अवधि तक एक ही क्षेत्र में पदस्थ रहने से व्यापारिक संस्थाओं से व्यक्तिगत संबंध विकसित होने की संभावना बढ़ती है, जिससे कामकाज पर असर पड़ता है।

वाणिज्यिक कर मंत्री श्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस स्थिति में आवश्यक सुधार करते हुए राज्य में कर प्रशासन के विकेन्द्रीकरण और सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। पूर्व में विभाग के वृत्तों की संख्या 30 होते हुए भी विभागीय कार्यालय महज 15 जिलों में ही सीमित थे, जबकि राज्य सरकार के सभी प्रमुख विभागों के कार्यालय सभी जिलों में हैं। इसे कमी को दूर करते हुए पहली बार दंतेवाड़ा, कोंडागांव, जशपुर और नवगठित जिले सक्ती एवं सारंगढ़ में वृत्त स्थापित कर वहां अधिकारियों की पदस्थापना सुनिश्चित की गई है।

राजस्व संग्रहण को सशक्त बनाने के लिये विभाग में बीआईयू एवं ऑडिट यूनिट का गठन कर उनमें अधिकारियों की तैनाती की गई है। इतने बड़े पैमाने पर तबादलों के बावजूद मानवीय संवेदनाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। विशेषकर पति-पत्नी दोनों अधिकारियों की पदस्थापना एक ही जिले में सुनिश्चित की गई है तथा महिला अधिकारियों को यथासंभव निकटवर्ती जिलों में ही स्थानांतरित किया गया है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा की राज्य सरकार आगामी समय में भी सभी विभागों में ईमानदार, पारदर्शी और निष्ठावान कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिये निरंतर कदम उठाती रहेगी।

सोलर पॉवर से रोशन जिंदगियां : छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांति

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांतिकेन्द्र एवं राज्य सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ने न सिर्फ लोगों के बिजली बिल को शून्य किया है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। इस योजना के माध्यम से लोग न केवल ऊर्जा के खर्च से मुक्त हो रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अब वे हर माह बिजली बिल भुगतान की झंझट से मुक्ति पा चुके हैं। महासमुंद जिले में अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 142 सोलर कनेक्शन सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं।

महासमुंद जिले के कौशिक कॉलोनी निवासी एवं रिटायर्ड बैंक मैनेजर श्री लक्ष्मीकांत पाणिग्रही ने बताया कि उन्होंने अपने घर की छत पर 6 किलोवाट का रूफटॉप सोलर प्लांट लगाया है। इस प्लांट की कुल लागत लगभग 3.15 लाख रुपये आई, जिसमें से 78,000 रुपये की सब्सिडी उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से प्राप्त हुई। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया, पहले हर महीने मुझे सामान्य दिनों में 6,000 रुपये और गर्मियों में 12,000 रुपये तक का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, लेकिन अब मेरा बिजली बिल शून्य आ रहा है। यह योजना न सिर्फ बचत करवा रही है, बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा कर रही है।

इसी तरह हाउसिंग बोर्ड निवासी एवं शिक्षिका श्रीमती ज्योति विश्वास ने भी 3 किलोवाट का सोलर पैनल अपने घर की छत पर स्थापित किया। उन्होंने बतायाछत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ला रही क्रांति सोलर पैनल लगते ही सिर्फ 15 दिनों में मेरा बिजली बिल शून्य हो गया। पहले हर महीने 3,000 रुपये तक का बिल आता था, अब बिजली बिल की कोई चिंता नहीं है।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में पालक सह शिक्षकों का त्रैमासिक बैठक

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में प्रथम त्रैमासिक पालक सह शिक्षक बैठक सुमित्रा सिंह सरपंच रुनियाडीह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एनवती राजवाड़े अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति द्वारा की गई। अन्य अतिथियों में कैलाशो उपाध्यक्ष एसएमसी, महेंद्र राजवाड़े पूर्व अध्यक्ष एसएमसी, गायत्री राजवाड़े पूर्व अध्यक्ष एसएमसी, वयोवृद्ध पालक हुकुमसराय राजवाड़े उपस्थित रहे। बैठक में संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी द्वारा गत वार्षिक

परीक्षाफल की जानकारी देकर शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में सर्व सहमति से पुनः एनवती राजवाड़े का चयन किया गया। उपाध्यक्ष गुड्डी बाई विश्वकर्मा सहित सदस्यों में वशिष्ठमुनि, ताराबाई सारथी, लालचंद सिंह, तपन राजवाड़े, पार्वती राजवाड़े, गायत्री राजवाड़े, विनोद सारथी, दुर्वराज विश्वकर्मा, फूलवती राजवाड़े, कौशिल्या राजवाड़े, भीम प्रसाद, राधा विश्वकर्मा, सुलेखा राजवाड़े, फुलेश्वरी राजवाड़े का चयन किया गया। उपस्थित पालकों से बच्चों की शत-प्रतिशत नामांकन एवं उनके ठहराव पर चर्चा कर प्रतिदिन विद्यालय भेजने प्रेरित किया गया। संस्था को बच्चों की संख्यानुसार मध्याह्न भोजन हेतु पर्याप्त व गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री प्रदाय करने, बच्चों सहित अभिभावकों को बिमारी प्रकार की बीमारी होने पर शासकीय अस्पताल में इलाज कराने, बच्चों का उचित देखभाल करने, बच्चें के लिए पर्याप्त संख्या में कॉपी क्रय करने हेतु प्रेरित कर शाला प्रवेश उत्सव में सभी को आने का निमंत्रण दिया गया।

उपस्थित अभिभावकों से एक पौधा मां के नाम पर पौधरोपण हेतु अपील की गई। इस दौरान शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पुनम गुप्ता, मध्याह्न भोजन सहायिका सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया, बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री निशु राजवाड़े सहित अन्य उपस्थित रहे।

कवर्धा से अमरकंटक 180 किलोमीटर तक गूंजेगा बोल-बंम का नारा

रायपुर। पवित्र सावन मास 11 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है और सावन मास का प्रथम सोमवार 14 जुलाई को होगा। इसकी तैयारियां शुरू हो गई है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा प्रवास के दौरान जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सावन माह के अवसर पर जिले में होने वाले भव्य कांवड़ यात्रा और भोरमदेव पदयात्रा सहित श्रद्धालुओं के भोरमदेव दर्शन की समुचित तैयारियों को लेकर भोरमदेव सनातन तीर्थ ट्रस्ट कवीरधाम के पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, संघ के प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी की बैठक ली।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी से विस्तृत चर्चा कर सावन माह में पूरे माह तक चलने वाली कांवड़ यात्रा की तैयारी संबंधी सुझाव आमंत्रित किए एवं संबंधित अधिकारियों को समन्वयात्मक ढंग से कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा से अमरकंटक तक एवं वापसी में अमरकंटक से हनुमंत खोल से होते हुए पोलमी, कुकदुर, पंडरिया, डोंगरिया, भोरमदेव और पंचमुखी बूढ़ामहादेव मार्ग तक की साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा, पेयजल व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, ठहराव स्थलों की व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण आदि बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है और शासन की मंशा है कि सभी श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और भावनात्मक अनुभव प्राप्त हो। इसके पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बूढ़ामहादेव मंदिर परिसर कवर्धा का निरीक्षण कर बोल बम समिति एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की।

बैठक में स्थानीय स्तर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर प्रबंधन की आवश्यकताओं पर विचार करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सावन माह में होने वाले समस्त धार्मिक आयोजनों को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए समुचित समन्वय और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि भक्ति, आस्था और व्यवस्था इन तीनों का समन्वय ही इस आयोजन की सफलता का आधार बनेगा। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए मध्यप्रदेश के अमरकंटक में 5 एकड़ भूमि प्रदान किया गया है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं और कांवड़ टिं के लिए यहां सर्व सुविधा युक्त भवन सहित अन्य कार्य कराया जाएगा।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सावन माह में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलता है, जब प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर कवीरधाम जिले के डोंगरियां, भोरमदेव और बूढ़ा महादेव जैसे पवित्र स्थलों तक कांवड़ यात्रा करते हुए पहुँचते हैं। उन्होंने कहा कि यह धार्मिक यात्रा केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने मार्ग में ठहरने की समुचित व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता, मेडिकल टीमों की तैनाती, विद्युत व्यवस्था और विशेष रूप से यातायात प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासनिक अमला समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को स्वयं क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों और युवाओं से भी अपील की कि वे इस पावन यात्रा में सेवा भाव से सहभागी बनें और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा को मजबूत करें।

बिजली बिल के बोझ को कम करने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

रायपुर। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अभियान से ग्रीन एनर्जी मिशन को बढावा देकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने मे मदद होगी साथ ही रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। भारत सरकार ने सौर रूफटॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने और आवासीय घरों को अपनी बिजली पैदा करने के लिए सशक्त बनाने के लिए 29 फरवरी, 2024 को मंज़ूरी दी है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल घरों को रोशन करने के लिए नहीं है बल्कि यह योजना सूरज की ऊर्जा को अपनाने के तेज और किफायती तरीके के बारे में भी है। एक किलोवाट प्रणाली के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट प्रणाली के लिए 60,000 रुपये तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक प्रणाली के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इस योजना से बिजली के बिल में कमी, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा। यह योजना न केवल स्थायी ऊर्जा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण को बचाने की ओर भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

शासन द्वारा लाभार्थी को सब्सिडी प्रदान की जाएगी

यह योजना भारत के घरों पर बिजली बिल की वित्तीय बोझ कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देने की दिशा में एक व्यापक दृष्टिकोण पर काम करती है। इस योजना के तहत 2 किलोवाट क्षमता तक की प्रणालियों के लिए सौर इकाई लागत का 60त और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के बीच की प्रणालियों के लिए अतिरिक्त प्रणाली लागत का 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाती है। सब्सिडी की सीमा 3 किलोवाट क्षमता तक सीमित रखी गई है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से 1 करोड़ लोगों को इस योजना के तहत लाभ मिलेंगा, इस योजना के तहत प्रतिमाह 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएँगी । सोलर पैनल खरीदने के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाएँगी।

मध्य पूर्व से जुड़े मामलों में अमेरिका ने कब-कब दिया दखल और इसका नतीजा क्या हुआ

नई दिल्ली।

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद रॉन पॉल ने साल २०१२ में एक टिप्पणी की थी, जो दूसरे देशों में अमेरिकी की लंबे चक्र तक दखलअंदाजी के बारे में थी.उनका कहना था, क्यों ना हम विदेश नीति में एक गोल्डन रूल अपनाएं- दूसरे देशों के साथ वो ना करें, जो हम अपने देश के साथ नहीं होने देना चाहते. हम लगातार दूसरे देशों पर बम बरसाते रहते हैं, और फिर सोचते हैं कि वे हमसे नाराज क्यों हैं.मध्य-पूर्व में अमेरिका की ऐसी दखलअंदाजी से कई बार अहम मोड़ भी आए,तो आज स्पॉटलाइट में बात उन कुछ अहम मौकों की जब अमेरिका ने मध्य-पूर्व में बड़ा खुफिया अभियान चलाया या सैन्य हस्तक्षेप किया.१९५१ में मोहम्मद मोसादेग ईरान के प्रधानमंत्री बने. वो चाहते थे कि ईरान की तेल इंडस्ट्री का कंट्रोल ईरान सरकार के हाथों में हो, ना कि विदेशी कंपनियों के. इसलिए उन्होंने तेल व्यापार के राष्ट्रीयकरण के बारे में सोचा.उस वक़्त ईरान के तेल का नियंत्रण ब्रिटिश कंपनियों के हाथ में था. साल १९०१ में डारसी समझौता हुआ था. उसके तहत ब्रिटिश नागरिक विलियम डारसी को ईरान के एक बड़े हिस्से में तेल खोजने, तेल निकालने और व्यापार करने के लिए विशेष अधिकार दिया गया था.इसके बदले में ईरान की सरकार को कुछ शेयर, एक तय रकम और तेल उत्पादन पर टैक्स मिलता था. इन ब्रिटिश तेल कंपनियों में ब्रिटिश सरकार का भी शेयर था.राष्ट्रीयकरण की वजह से तेल पर नियंत्रण खोने के डर से ब्रिटिश सरकार ने अमेरिका की मदद मांगी. अमेरिका उस वक़्त सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध में था. ऐसा माना जा रहा था कि ईरान सोवियत संघ के पाले में जा सकता है और ऐसा होता तो मध्य-पूर्व में अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका होता. मोसादेग की सरकार को गिराने के लिए अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने अहम भूमिका निभाई.मोसादेग के खिलाफ ईरानी मीडिया और अमेरिकी मीडिया में झूठी खबरें फैलाई गईं और मोसादेग की सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को हवा दी गई.अमेरिका चाहता था कि ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सत्ता आ जाए, इसलिए उनके समर्थकों को मदद की गई. अगस्त १९५३ में ईरान की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हुए जो तेजी से फैलने लगे. सेना ने भी अपना पाला बदल लिया.मोसादेग की सरकार का तख़्तापलट हो गया और जनरल फज्लोल्लाह जाहेदी नए प्रधानमंत्री बने और सत्ता शाह मोहम्मद रजा पहलवी के हाथों में आ गई. ईरानी मामलों के जानकार इसे ईरान के इतिहास में एक निर्णायक घटना के रूप में देखते हैं क्योंकि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई एक सरकार को गिराने में विदेशी ताकतों ने मदद की.अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध अब भी चल रहा था. साल १९५७ में उस वक़्त के अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी 'पुनाडेट अरब रिपब्लिक' में शामिल होना चाहते थे.इजिप्ट के राष्ट्रपति के रिश्ते सोवियत संघ के साथ अच्छे थे, खतरा दिखाई देता है, खासकर कम्युनिस्ट ताकतों से, तो वे देश अमेरिका से आर्थिक और सैन्य मदद ले सकते हैं.जाहिर है, अमेरिका यह नीति सोवियत संघ के प्रभाव को रोकने के लिए लाया था. इस नीति का पहला टेस्ट इस्राइल में १९५८ के लेबनान संकट के दौरान.उस वक़्त लेबनान में ईसाई राष्ट्रपति कमील शमोन थे. लेबनान में मुस्लिम और राष्ट्रवादी संगठनों ने उनका विरोध शुरू कर दिया था. उनका दावा था कि शमोन सत्ता में रहने के लिए संविधान बदलना चाहते हैं.इसके अलावा लेबनान के सुन्नी मुस्लिम मिस्र (इजिप्ट) और सीरिया के बनाए नए आए.इस नीति के मुताबिक अगर मध्य पूर्व के किसी देश को कोई जबकि लेबनान के राष्ट्रपति के रिश्ते पश्चिमी देशों से साफ़ अच्छे थे. लेबनान में विरोध बढ़ा, हालात गृह युद्ध जैसे हो गए तो शमोन ने अमेरिका की मदद मांगी.इसके बाद जुलाई १९५८ में अमेरिकी की सेना लेबनान में उतर गई, उनका मकसद बेरूत इंटरनेशनल एयरपोर्ट को सुरक्षित रखना था और शमोन की सरकार के लिए हालात को स्थिर बनाना था.अमेरिका के इस दखल के बाद उस वक़्त शमोन के लिए खतरा टल गया और वे राष्ट्रपति के तौर पर अगला कार्यकाल न लेने पर राजी हो गए.साल १९६७ में छह दिन के युद्ध में इसराइल ने सिनाई, गोलान हाईट्स, वेस्ट बैंक और गज़ा पर कब्ज़ा कर लिया था. लेकिन इजिप्ट और सीरिया चाहते थे ।

पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूरों को बांग्लादेशी बताने पर विवाद, क्या है पूरा मामला ?

नई दिल्ली।

क्या बांग्ला में बात करना अपराध है? शायद हाँ. इसी अपराध में हमें बांग्लादेशी करार देकर अपमानित और परेशान किया गया.यह कहना है पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद की मजदूर बस्ती में रहने वाले अमीनुल हक का.वो महाराष्ट्र के ठाणे में मजदूरी करते थे. लेकिन वहाँ से पाँच मजदूरों को जबरन बांग्लादेश भेजे जाने के बाद डर से वो बीते सप्ताह ही अपने गाँव लौट आए हैं.इसी सप्ताह राजस्थान के अलवर में भी बांग्लादेशी होने के संदेह में राज्य के उत्तर दिनाजपुर जिले के करीब ३०० मजदूरों को पुलिस ने १० घंटों तक हिरासत में रखा था.हाल में होने वाली इन घटनाओं के कारण मुर्शिदाबाद की मजदूर बस्ती में डर का माहौल है. अब कामकाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने से पहले, वहाँ रहने वाले युवा हिंदी सीख रहे हैं. इसी तरह दूसरे राज्यों में काम करने वाले लोग भी अब टूटी-फूटी ही सही, हिंदी में बात करने की कोशिश कर रहे हैं.इस महीने की शुरूआत में महाराष्ट्र पुलिस ने पश्चिम बंगाल के सात मजदूरों को बांग्लादेशी होने के संदेह में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ़) को सौंपा था, जिसके बाद इन मजदूरों को बांग्लादेश भेज दिया गया था..बाद में राज्य सरकार के हस्तक्षेप के कारण वो लोग वापस लौट सके.इस मुद्दे का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी विधानसभा में यही सवाल उठाया था कि क्या बांग्ला भाषा में बात करना अपराध है?यहाँ इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि बीते कुछ महीनों से महाराष्ट्र, राजस्थान और असम समेत कुछ राज्यों में अवैध रूप से भारत में रहने वाले लोगों की पहचान के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चल रहा है.

इस सिलसिले में असम सरकार की 'पुश बैक' नीति भी विवादों में रही है. बीते दिनों राजस्थान के अलवर में बंगाल के मजदूरों को बांग्लादेशी होने के संदेह में हिरासत में लिया गया था. इस खबर के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में सवाल किया, "क्या बांग्ला में बातचीत करना अपराध है? वैध कागजात होने के बावजूद बीजेपी शासित राज्यों में बंगाल के मजदूरों को जबरन बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है.उन्होंने ये भी कहा था कि वे इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बात करेंगी.उनकी दलील थी कि बांग्ला भाषा को संवैधानिक तौर पर मान्यता मिली है और यह रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद जैसे महान हस्तियों की भाषा है.मुख्यमंत्री का कहना है कि ऐसी तमाम घटनाएं उन राज्यों में ही हो रही हैं, जहाँ बीजेपी की डबल इंजन की सरकार है. उनका कहना है कि यह महज संयोग नहीं है, उन राज्यों में बंगाल के मजदूरों को जान-बूझकर निशाना बनाया जा रहा है.उत्तर २४-परगना जिले में बागदा के रहने वाले फजर मंडल अपनी पत्नी तस्लीमा मंडल के साथ काम की तलाश में महाराष्ट्र गए थे.लेकिन उनको पुलिस ने बांग्लादेशी होने के संदेह में गिरफ़्तार कर सीमा पार भेजने के लिए बीएसएफ़ को सौंप दिया था.

इससे पहले मुंबई पुलिस ने तीन अन्य मजदूरों को बीएसएफ़ के जरिए जबरन बांग्लादेश भेज दिया था.तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य समीरल इस्लाम पश्चिम बंगाल प्रवासी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं.वे बताते हैं, "हाल में बीएसएफ़ ने राज्य के सात मजदूरों को जबरन सीमा पार भेज दिया था. बाद में राज्य सरकार के हस्तक्षेप से उनकी वापसी संभव हो सकी. इन तमाम लोगों के पास नागरिकता के वैध दस्तावेज थे. इन लोगों का अपराध यह था कि वे बांग्ला बोलते थे.उनका सवाल है कि महाराष्ट्र पुलिस ने आखिर बंगाल सरकार को सूचित किए बिना उन लोगों को सीधे बीएसएफ़ को कैसे सौंप दिया ?उनका कहना है कि इसी तरह बीएसएफ़ ने भी उनकी पहचान की पुष्टि के लिए स्थायी प्रशासन से संपर्क नहीं किया.समीरल इस्लाम के मुताबिक यह बांग्ला भाषी प्रवासी मजदूरों को परेशान करने की किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है.राजस्थान के अलवर में जिन मजदूरों को बांग्लादेशी होने के संदेह में हिरासत में लिया गया था, वो उत्तर दिनाजपुर जिले के ईंटाहार के रहने वाले हैं. यह लोग स्थानीय आवासीय कॉलोनियों में काम करते हैं और रसोइया, घरेलू काम, ड्राइवर और दैनिक मजदूरी का काम करते हैं.इनमें से एक मजहर शेख ने फोन पर बताया, "हमें पुलिस ने मंगलवार सुबह छह बजे ही हिरासत में ले लिया था. उसके बाद आंवेडकर भवन ले जाकर घंटों पूछताछ की गई.वहाँ ड्राइवर के तौर पर काम करने वाले हमीदुर रहमान ने कहा, "हमने पहचान पत्र दिखाए, लेकिन पुलिस लगातार हमें बांग्लादेशी बताती रही. इसकी वजह यह थी कि हम बांग्ला में बात कर रहे थे. हमें डर था कि कहीं जबरन बांग्लादेश नहीं भेज दिया जाए.इनमें से कुछ लोगों का कहना है कि उन्होंने अपने परिजनों को इसकी सूचना दी थी. परिजनों ने ईंटाहार के तृणमूल कांग्रेस विधायक मुशर्रफ़ हुसैन को इसकी जानकारी दी और उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस बारे में बताया. उसके बाद राज्य सरकार सक्रिय हुई. ममता बनर्जी ने मुख्य सचिव मनोज पंत को राजस्थान सरकार के समक्ष यह मामला उठाने को कहा.

राजस्थान सरकार के अधिकारियों से बातचीत के बाद करीब १० घंटे बाद इन मजदूरों को छोड़ा गया.रहमान बताते हैं, "फिलहाल कोई दिक्कत तो नहीं है लेकिन अब हम आपस में भी बांग्ला में बात करने से डरते हैं. इसी वजह से हम टूटी-फूटी हिंदी में ही बात करने की कोशिश कर रहे हैं. यहां की पुलिस खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के बांग्ला भाषियों को संदेह की निगाह से देख रही है.ममता बनर्जी का दावा है कि बांग्ला बोलने के अपराध में लोगों को जबरन बांग्लादेश भेजा जा रहा है. ऐसी घटनाएँ बीजेपी शासित राज्यों में बार-बार हो रही हैं.उनका सवाल है कि क्या तमिल बोलने की वजह से तमिलनाडु के किसी व्यक्ति को श्रीलंका, या दार्जिलिंग के गोरखा बोलने वालों को नेपाल भेज दिया जाएगा ?बहरमपुर के तृणमूल कांग्रेस सांसद यूसुफ पठान ने भी बीती मई में ओडिशा में बंगाल के प्रवासी मजदूरों को लेकर हुई घटना के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र भेजकर हस्तक्षेप की अपील की थी.उसके बाद तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद समीरल इस्लाम ने भी इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र भेज कर प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनके दस्तावेजों की जाँच करने और उनके खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई करने से पहले राज्य सरकार को इसकी सूचना देने का अनुरोध किया था.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि फिलहाल बंगाल के करीब २२ लाख मजदूर दूसरे राज्यों में काम करते हैं.उनका कहना है,इसी तरह दूसरे राज्यों के करीब डेढ़ करोड़ लोग पश्चिम बंगाल में काम करते हैं, लेकिन बंगाल में उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता. हम अगर यहां अपनी भाषा बोलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें तो क्या होगा.प्रवासी श्रमिक एकता मंच के प्रमुख साबिर फारूक कहते हैं, "इन राज्यों में वैधे पहचान पत्र दिखाने के बावजूद बंगाल के मजदूरों का उत्पीड़न किया जा रहा है. हमने केंद्र से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की है. लेकिन अब तक कोई पहल नजर नहीं आ रही है.इन घटनाओं से डरकर हाल के दिनों में सैकड़ों मजदूर दूसरे राज्यों से अपने घर लौट आए हैं. अब यह लोग हिंदी सीखने की कोशिश कर रहे हैं.जो ठेकेदार इन मजदूरों को काम के लिए दूसरे राज्यों में ले जाते हैं, अब वही इन्हें कामचलाऊ हिंदी सिखाने का भी इंतजाम कर रहे हैं.आसिफ फारूक कहते हैं, "रोजी-रोटी के लिए विभिन्न राज्यों में जाने वाले प्रवासी मजदूरों को उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है. भारतीय नागरिक होने के बावजूद धर्म और भाषा के आधार पर हमें बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है.तमाम राज्यों में लगातार बढ़ रही ऐसी घटनाओं की वजह से ही मुर्शिदाबाद जिले के सूती ब्लाक में हनीफ, अकमल और रहमान जैसे मजदूर अब हिन्दी सीख रहे हैं. यह लोग कभी न कभी उत्पीड़न का शिकार हो चुके हैं.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), बाड़फनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत बाड़फनगर तहसील बाड़फनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती दुर्गा कुमारी पति विजय कुमार जाति अहीर निवासी नगर पंचायत बाड़फनगर तहसील बाड़फनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा ग्राम बाड़फनगर तहसील बाड़फनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख०नं० 553/2 रकबा 0.01 है० भूमि को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 16/07/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), बाड़फनगर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

NAME CHANGE

I KHEM CHAND AGARWAL S/O Late Raghubir Prasad Agarwal Resident Of House No.-94, Gawatiyapara Road, Shivandanpur Alias Omkarbahara, Bishrampur, District-Surajpur, Chhattisgarh - 497226.

Hereby declare that have changed my name from KHEM CHAND AGARWAL to KHEM CHAND GOYAL S/O Late Raghubir Prasad Agarwal in all the Government approved identity proofs to be used for various purposes in the future.

Deponent
Name :- KHEM CHAND GOYAL
Address :- Shivandanpur, District :- Surajpur

अम्बिकावाणी
बैकुण्ठपुर, सोमवार 30 जून, 2025
संपादकीय

सम्पादकीय

कुछ लोग इसलिए परिपक्व नहीं बन पाते क्योंकि उन्हें भय होता है कि कहीं वे वृद्ध न हो जायें और कुछ इसलिए क्योंकि वे जिम्मेदारी लेने से मना कर देते हैं। ० ब्रह्मकुमारी

सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ और सुशासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52 प्रतिशत थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होने ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं। वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव-विह्वल है।

मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रहवासियों को हुई जान-माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला-कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जबकि इन बैठकों में सरकारी योजनाओं व कार्यपणाली की आलोचनात्मक बात होनी चाहिए और सरकारी सहायता पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों में जिम्मेदारीपूर्णता से निर्वहन की

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की।

इस नाते पहली दृष्टि में लालू जी और राबड़ी देवी जी के प्रति सहानुभूति का भाव पैदा होता है। किंतु वे कोई सामान्य परिवार नहीं हैं। जो कुछ भी हुआ उनमें ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिनका उत्तर सार्वजनिक जीवन खासकर राजनीति में होने के कारण उन्हें देना चाहिए। लालूजी का परिवार बिहार में इस समय सबसे ज्यादा अकेले प्रभावी राजनीतिक परिवार माना जा सकता है। यद्यपि वे विपक्ष में हैं किंतु बिहार में परिवार की दृष्टि से कोई ऐसा नहीं बचा जिनकी हैसियत उतनी बड़ी हो। दो पूर्व मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, एक पूर्व मंत्री, एक सांसद और तीन विधायक। ऐसे परिवार के सबसे बड़े सुपुत्र की कैसी लड़की के साथ लंबे रिश्तों की बात सामने आती है और वह अमर्यादित है तो इस पर बवाल मचेगा।

धीरे-धीरे ऐसा माहौल बना है जिसमें दो व्यक्तियों खासकर स्त्री-पुरुष के संबंधों पर लिखने और बोलने से हम आप बचना चाहते हैं। देश में एक अजीब किस्म के वामपंथी लिबरल सेक्युलर इकोसिस्टम ने खासकर स्त्री पुरुष के और उसमें भी विवाहेतर संबंधों को लेकर भी पढ़े-लिखे वर्ग के बीच ऐसा मानस तैयार किया है मानो यह भी उनका निजी मामला ही है। राजद का तर्क है कि लालू जी ने स्वयं स्टैंड ले लिया है तो इसके आगे कुछ कहने के लिए बचता नहीं। किंतु क्या वाकई इसे ही पूर्ण विराम मान लिया जाए? तेज प्रताप यादव के एक्स पर पोस्ट आता है जिसमें वह अनुष्का यादव से 12 वर्ष के अपने रिश्तों और लिव इन में रहने की बात स्वीकार करते हैं। कहते हैं कि अब समय आ गया है जब मैंने सोचा इसे सार्वजनिक कर दिया जाए। बाद में वह पोस्ट डिलीट हो जाता है। उनका बयान आता है कि अकाउंट हैक हो गया था एवं एआई के द्वारा इसे लिखा गया। लालू यादव द्वारा उन्हें पार्टी से 6 वर्ष के लिए निष्कासन तथा परिवार से अलग करने की घोषणा ने स्पष्ट कर दिया कि पोस्ट की बातें सच हैं। अगर यह सच है कि परिवार को तेज प्रताप के

लालू प्रसाद यादव जी ने तेज प्रताप को परिवार और पार्टी दोनों से बाहर कर दिया है। उनका पूरा स्टैंड उनके अनुसार नैतिक आधार पर है। यानी सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण है और उनके बड़े सुपुत्र तेजप्रताप यादव ने इसका उल्लंघन किया है। इसी की सजा उनको दी गई है। निश्चित रूप से परिवार के लिए यह बहुत बड़ा धक्का है। किसी भी पिता और मां का अपने बड़े पुत्र को बाहर करने का निर्णय करना आसान नहीं होता।

इस अपकर्म की जानकारी नहीं थी और उन्होंने केवल सार्वजनिक जीवन में शुचितापूर्ण आचरण को निर्णय का मानक बनाया है तो उन्हें प्रशंसा का पात्र माना जाना चाहिए।

किंतु जितने तथ्य सामने हैं, उनके अनुसार लाल यादव से लेकर राबड़ी देवी और संपूर्ण परिवार को इस संबंध का पता था। तेज प्रताप की अभी तक कानूनी पत्नी, जिनके साथ उनका तलाक का मामला चल रहा है, कि मां ने कहा है कि इसमें नया कुछ नहीं सबको पता है। वैसे भी अगर 12 वर्ष से संबंध है तो फिर सात वर्ष पहले 2018 में लालू यादव जी और राबड़ी जी ने तेज प्रताप की ऐर्या यादव से शादी क्यों कराई? अभी अचानक तीसरा ऑडियो भी वायरल है।

इसमें बताया जा रहा है कि अनुष्का यादव की आवाज है। इसमें वह कह रही है कि निशा सिंह के साथ वो मालदीप जा रहा है। पुरुष आवाज आती है ,कौन? उत्तर आता है, तेजप्रताप यादव। फिर कहा जाता है कि तेजस्वी यादव ने बच्चे के लिए भेजा है। पुरुष पूछता है कि उसने कितनी शादी की है यार? उत्तर -ऐर्या यादव ,अनुष्का यादव और निशा यादव। यह सच है तो फिर तेज प्रताप यादव ने पूरे परिवार को संकट में फंसा दिया। मोटा मोटी चार-साढ़े चार महीने बाद बिहार विधानसभा का चुनाव है। यह बात ठीक है कि लालू प्रसाद यादव के लंबे राजनीतिक करियर में कभी इस तरह के प्रश्न नहीं उठे। ये व्यक्तिगत तौर पर श्रष्टाचार के प्रतीक अवश्य बने पर इस मामले में बेदाग रहे। जो कुछ है उससे वह भी कठघरे में खड़े हैं। आखिर सामाजिक न्याय का अर्थ क्या राजनीति में जातीय समीकरण और आरक्षण ही है? क्या जिस जाति के नेता होने का दावा करते हैं उनकी बच्चियों के साथ भी न्याय सामाजिक न्याय की परिधि में नहीं आता? यह प्रश्न इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि अनुष्का के भाई को राजद की छात्र इकाई का प्रमुख बनाया गया था। इस विषय के सामने आने के बाद उसे हटाया गया। इस घटना का राजनीतिक परिणाम क्या होगा, पूरा घटनाक्रम क्या मोड़ लेगा, तेज प्रताप, अनुष्का, ऐर्या है तो इनका जीवन किस ओर जाएगा इन सबके बारे में कोई भी अनुमान लगाना संभव नहीं। पर यह प्रकरण यूं ही समाप्त नहीं हो सकता। पुत्र के पाप की सजा पिता, माता या परिवार को नहीं मिल सकती। यह तभी होगा जब परिवार बिल्कुल उससे अनिभज्ञ हो। लालू यादव और राबड़ी देवी का दायित्व बनता है कि इन लड़कियों के साथ खड़े हों। हां, अगर इन्होंने षडयंत्रपूर्वक तेज प्रताप को फंसाया है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए। इस बीच दो बार परिवार सत्ता में आया और सब कुछ पारदर्शी था तो इसकी जांच कराई जानी चाहिए थी। संभव है ऐसा हुआ भी हो। इन लड़कियों के साथ खड़े होने की जगह परिवार ने तेजप्रताप को इनसे अलग करने और राजनीतिक आंच से बचने के लिए ही सारे प्रयास किए। केवल लालू जी की जाति ही नहीं दूसरों को भी पूछना चाहिए कि आखिर सामाजिक न्याय के नाम पर इस तरह उनके परिवार में क्यों हुआ? हमने हरियाणा में भजनलाल के पुत्र चंद्रमोहन के विवाहेतर प्रेम कथा में राजनीतिक करियर समाप्त होते देखा है। उनका उप मुख्यमंत्री पद तक प्रेम के कारण चला गया और बाद में पता चला कि उन्होंने अनुराधा बाली नामक वकील से शादी करने के लिए इस्लाम ग्रहण किया।

आज वह कहां है बहुत कम लोगों को मालूम है। तेजप्रताप उस अवस्था को प्राप्त होंगे या उनके साथ कुछ और होगा यह भविष्य के गर्भ में है। यह प्रकरण प्रमाण है कि राजनीति में शीर्ष परिवार के अंदर इस तरह के ऐसे संबंध पैदा होते हैं, जिन्हें नहीं संभाला गया तो बवंडर कई बार पूरे परिवार की राजनीति को समाप्त कर देता है। जब ऐर्या यादव विरोधियों के मंच से अपनी बात कह सकती हैं तो अनुष्का भी जा सकती है। राज्य और देश को भी हक है यह समझने का कि आखिर लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव आदि पूरा परिवार न्याय के कठघरे में कहां खड़ा है?

लैब-टू-लैंड के मंत्र को साकार करेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारतीय कृषि निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। इनकी दूरदर्शी सोच और किसान कल्याण को समर्पित ऐतिहासिक निर्णयों ने हमारे किसान भाइयों-बहनों को समृद्ध व सशक्त बनाया है, साथ ही 'विकसित भारत के विराट संकल्प को नई मजबूती दी है। आज हमारे अन्नदाता न केवल देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं,

बेल्कि विश्व के कई देशों में खाद्यान्न निर्यात करके भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। कृषि विकसित और किसान आत्मनिर्भर बनें, लैब में होने वाले शोध सही समय में खेतों तक पहुंचे, इसी लक्ष्य को लेकर हम राज्यों के साथ मिलकर एक राष्ट्र-एक कृषि-एक टीम के रूप में कार्य कर रहे हैं। देश की समृद्धि का आधार कृषि और किसान हैं। हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने अनेक शोध किए है द्य कृषि वैज्ञानिक नई तकनीक, उन्नत बीज, खाद इत्यादि से कम लागत पर फसल उत्पादन बढ़ाने के काम में जुटे हुए हैं। हमारे वैज्ञानिकों के शोध किसानों तक सही समय (Value time) पर पहुंचे, उन्हें जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, मिट्टी के पोषक तत्वों, उर्वरकों की सही मात्रा सहित कृषि के विभिन्न आयामों से अवगत कराया जा सके, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के माध्यम से देश के 700 से अधिक जिलों के लगभग 65 हजार गांवों में वैज्ञानिकों की 2170 टीमें पहुंचेगी। इस दौरान लगभग 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद किया जाएगा। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि को विकसित बनाना और किसानों का जीवन बदलना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान कोई कर्मकांड नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में समृद्धि लाने का महायज्ञ है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ड्डष्ट्रक्र) के वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्यों के कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, नवाचार से जुड़े संस्थान सभी एकजुट होकर, एक टीम के रूप में विकसित कृषि और समृद्ध किसान के लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे। यह अभियान प्रधानमंत्री जी के लैब टू लैंड के मंत्र को साकार कर किसानों की तकदीर और भारतीय कृषि की तस्वीर बदलेगा। वैज्ञानिक गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे और लैब में होने वाली रिसर्च की जानकारी किसानों को देंगे। साथ ही, किसानों के अनुभवों से भी सीखकर कृषि अनुसंधान को व्यवहारिक बनाएंगे द्य हमारे विकसित कृषि संकल्प अभियान के प्रयासों और किसानों के अथक परिश्रम से, एक हेक्टेयर में एक क्विंटल भी उत्पादन बढ़ता है तो देशभर में 20 टन खाद्यान उत्पादन बढ़ाने में हम यह सफल होंगे। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लगभग 50 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसी पर निर्भर है। यह क्षेत्र सबसे घरेलू उत्पाद में लगभग 18 प्रतिशत का योगदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, जिसमें विकसित खेती और समृद्ध किसान का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीते 11 वर्षों में किसानों को सशक्त करने के लिए सरकार ने बीज से बाजार तक हर वो फैसला लिया है, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। हाल ही में लिए गए निर्णय जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी हो या प्याज और चावल से निर्यात शुल्क को हटाना, फसलों की जलवायु अनुकूल और अधिक उपज वाली किस्मों के विकास से लेकर किसान हितैषी योजनाओं के विस्तार तक मोदी सरकार की प्राथमिकता में सदैव किसान कल्याण रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने हाल ही में जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में छलांग लगाई है। कृषि उत्पादन को देखे तो इसमें ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में खाद्यान्न उत्पादन के 3309 लाख टन तक पहुंचने की संभावना है। खरीफ चावल 1206 लाख टन, गेहूं 1154 लाख टन और सोयाबीन 151 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर हैं। सोयाबीन की उत्पादकता 985 किलो प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 1169 किलो प्रति हेक्टेयर हो गई है। बागवानी क्षेत्र में भी उत्पादन 3621 लाख टन तक पहुँचने का अनुमान है। ये उपलब्धियाँ दर्शाती हैं कि हमारे किसानों की मेहनत, वैज्ञानिकों की शोधपरक क्षमता और मोदी सरकार की किसान कल्याणकारी नीतियाँ मिलकर कृषि क्षेत्र को नित-नई ऊँचाइयों पर ले जा रही हैं।

व्यापक विजन, समग्र सोच, स्पष्ट नीति और नेक इरादों के साथ किसानों की आय बढ़े, उनके पसीने का उचित मूल्यांकन हो और वे आत्मनिर्भर बन सकें, इसके लिए केंद्र सरकार ने 6 सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत घटाने, उत्पादन के ठीक दाम देने, प्राकृतिक आपदा में राहत की ठीक राशि देने, कृषि का विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय गंभीरतापूर्वक कार्य कर रहा है। विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का एक महाभियान है द्य मेरी किसान भाइयों-बहनों से अपील है कि आप सभी इस महअभियान से जुड़ें, इस कार्यक्रम का लाभ उठाए द्य वैज्ञानिकों द्वारा दी गई सलाह को मानकर अपनी कृषि को उन्नत करें।

उत्पादन बढ़े, लागत घटे और किसानों को लाभ हो, इसी उद्देश्य के साथ विकसित कृषि का यह महायज्ञ है,

भारत 4.19 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के साथ विश्व में चौथे नंबर पर

अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था 4.19 ट्रिलियन डॉलर होगयी है और विश्व में चौथे नंबर की इकोनॉमी है जो जापान के बराबर है।भारत से आगे सभी विकसित देशों में होड़ है । तीसरे स्थान पर जर्मनी है जो भारत से कुछ ही आगे 4.77ट्रिलियन डॉलर, दूसरे स्थान पर चीन 19 ट्रिलियन डॉलर, पहले स्थान पर अमेरिका तीस ट्रिलियन डॉलर है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट कहती है कि भारत ने कृषि, ऑटोमोबाइल, पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, हैवी इंडस्ट्री, विशेषकर डिजिटल, बैंकिंग, सॉफ्टवेयर के क्षेत्र,सड़क परिवहन निर्माण, कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य किया है। अब भारत का आयात और निर्यात लगभग बराबर है। भारत ने सिंचाई परियोजना, बांध, हाइड्रल पावर स्टेशन, रेलवेज, वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र को भी विकसित किया है नेपाल,भूटान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, कनाडा, श्रीलंका,आदि देश पूरी तरह व्यवसायिक रूप से भारत पर निर्भय है।भारत ने मिसाइल, सेटेलाइट स्टेशनों से संबंधित आय बढ़ाई है।भारत के मेडिकल कॉलेज, विश्व में सबसे ऊंचे स्थान पर हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत आगामी तीन साल में जर्मनी से आगे निकल जाएंगे। क्योंकि भारत बहुत बड़ा बाजार है ।बड़े बड़े देश भारत में व्यापार करना चाहते हैं। वस्त्र उद्योग में भी भारत ने बहतर कार्य किया है। खाद्य तेल और औषधियों के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर है जबकि भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है और यह आबादी ही बरदान साबित हुई है।भारत सबसे युवा देशों में शुमार है। अभी जनसंख्या दर 2.1 है। अनुमान है 2050 में जनसंख्या में स्थिरांक आएगा और तब आबादी कम होना शुरू होगी । अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन की जीडीपी लगातार गिर रही है जबकि भारत की जीडीपी लगातार बढ़ रही है।अब अंतरदेशीय पटल पर भारत,चीन, अमेरिका का मौका बाला है। चाइना ने पिछले बीस साल में उल्लेखनीय उन्नति की है।

लोहा, सीमेंट, हैवी इंडस्ट्री, एयरोस्पेस, आर्म्स, रक्षा उत्पादों में बहुत आगे है और मध्य एशिया, अफ्रीका, और यूरोपीय देशों में निर्यात करने में माहिर हैं।यहां पर लेबर रिकलनेस बहुत पुरानी है।दरअसल चाइना की सभ्यता भी बहुत पुरानी है। चाइना कभी गुलाम या उप निवेश नहीं रहा ।1949 में यहां क्रांति हुई और माओ के नेतृत्व में सोवियत संघ से प्रेरित होकर साम्यवादी व्यवस्था लागू हुई चाइना की एक मात्र कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना अभी भी सत्ता में है।यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरह चुनाव नहीं होते हैं। जिनपिंग पिछले 20 वर्षों से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के महासचिव भी हैं और देश के राष्ट्रपति भी । चाइना अब रूस से भी आगे निकल चुका है क्योंकि उसने खुली अर्थ व्यवस्था भी समय के साथ अपनाली दूसरे बढ़ती जनसंख्या पर भी लगाम लगाई। दंपतियों को एक बच्चा करने की इजाजत थी । ० अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1343

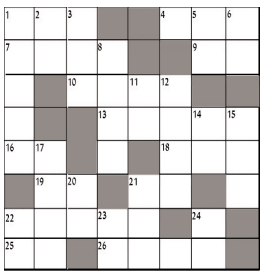

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस शहर को प्रमुख इंडियो इंडस्ट्री ने दुनिया का पहला जेट यूट विमान बिना है जिसे पानन कर उड़ा जा सकता है (नर्सुनिच 15 पूर्व) (3)
7. मक्तिशाली, शक्तवान (4)
9. दो तरफ की संपदा (2)
10. एक रोग, आधे (4)
13. बलराज साहनी अभिनीत 1947 की एक कला फिल्म जिसमें भारतविभाजन ने भी अभिनय किया है (5)
16. एटन से करीब 90 किमी, स्थित पुण्य स्थान जहां विभिन्न तिथि अदि में आठ करो ने चार मासाकमों से मृत्यि होती है (2)
19. लेखनी, हस्तलेख (3)
20. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
21. बंकिम, विंकिड़ (2)
22. बड़प्पनी से 8 किमी. दूर जैन धर्म के मानने वाले लोगों का तीर्थ स्थल (5)
25. मूल्य, धातु, निर्ख (2)
26. कूटयुक्ति करो, मुगलकाल, जुगाड़ (4)

कपर से नीचे:
1. लेख-जोखा (5)
2. समूह, गूट, निर्शिह, समूह (2)
3. मुगलशासन में किसी रियासत का मुसलमान शासक, बादशाह का नायब (3)
5. पीले आकर, मिति (2)
6. संख, एन, उत्स (2)
8. नया आज हुआ, जो अभी आया हो (4)
11. हल जोतने वाले बैल, हल (2)
12. हमारे या हमारे हुए चलन (4)
14. समर्थन, निश्कराए (2)
15. भगवान विष्णु का पंचमा अवतार (3)
17. खानबदोश, घरंतन प्रिय (4)
20. दार्शनिक प्रणाली, राय, मलब, जेट (2)
21. उजाला, निर्मल, दिप्ती, मक्षत (3)
22. शक्कर में, उपरांत (2)
23. जायज, चल, रसार (2)
24. मूल्यवान, बेमिसी, खूबसूरत (2)

वर्ग पहेली 1342 का हल

मा	ल	वा	अ	ख	बा	र	
ह	ल	क		र		धि	श
	क		आ	गे	श		स
सौ	ज		ग	न	क		न
म		द्वा	क्ष			ज	
ना	ग		प	क	ट	न	
ध		प	त्ती		ग	म	क
	ह	थी		जी	न	त	

एकदा

पाकिस्तान से युद्ध भारत के लिए मिसाइलों का अंतरराष्ट्रीय बाजार खोलेगा

रक्षा विशेषज्ञों का मत है कि अब भारत मिसाइलों के लिए अंतरराष्ट्रीय मार्केट खुलेगा क्योंकि पाकिस्तान से हुए युद्ध में ब्रह्मोस,आकाश, मिसाइलों ने नौ और दस की दरम्यानी रात पाकिस्तान के एयर वेज नूर खान,आदि निशाना बना कर बहुत नुकसान पहुंचाया इतना ही नहीं आकाश ने पाकिस्तान की शाहीन मिसाइल को हवा में मार गिराया। स्वदेशी तकनीकी से जुड़े जीपीएस नेविक ने भी अमेरिका के जीपीएस को पीछे छोड़ दिया। लेकिन रूस में बने एस 400की मांग भी बढ़ने वाली है क्योंकि इस एयर डिफेंस सिस्टम ने तुर्की से पाकिस्तान द्वारा आयात ड्रोन को भी नेस्तानाबूद कर दिया। पाकिस्तान इस युद्ध में चीनी टेक्नोलॉजी के एयर डिफेंस सिस्टम की बजह से फैल हुआ जबकि उसने पंजाब, राजस्थान, गुजरात की सीमा पर 40 हमले किए लेकिन सब विफल रहे। दरअसल भारत की मिसाइल तकनीकी पर अपने वैज्ञानिकों ने बहुत शोध किया और इसरो ने उपग्रह और मिसाइल बनाने का कार्य 1964 में आरंभ किया था तत्कालीन समय में अब्दुल कलाम ने पहले एप्पल, रोहणी, सेटेलाइट अंतरिक्ष में छोड़े फिर श्री हरिकोटा सेटेलाइट स्टेशनों का कार्य शुरू किया ये सब स्वदेशी थे ।

सेटेलाइट के दिशा में क्रायोजेनिक इंजन एक रुकावट बनी कई देशों से अनुरोध किया लेकिन किसी ने नहीं दिया तब कस्तूरीरंगन ने अपना क्रायोजेनिक इंजन बनाया।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

09:03 से 10:43 तक-चंचल | 12:23 से 14.04 तक- अमृत
10:43 से 12:23 तक- लाभ | 20:24 से 21.44 तक- लाभ

चौघड़िया

मेष राशि- मेष राशि वालों का आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगा और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने काम के प्रति व्यस्त रहेंगे।

मिथुन राशि- आपके लिए आज का दिन खास होने वाला है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें, आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हें मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे तो आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज समय आपके पक्ष में है।

कन्या राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेंगी। आज आपका काम करने का जुनून आपको मेहनत करने की क्षमता प्रदान करेगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने के बजाय उन्हें बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने के बजाय उसका समाधान ढूंढें तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और आप सामान की खरीददारी करने मार्किट जा सकते हैं। आज कारोबार में नई तकनीक का इस्तेमाल करने संबंधी कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित उचित जानकारी हासिल करेंगे, फिर उस पर काम करेंगे। इससे आपको बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोच जीवनयापन में आपकी मदद करेगी। आज घर तथा बाहर दोनों जगह किसी बड़े फैसले को लेने में आपका विशेष योगदान रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बन जाने से राहत की सांस लेंगे। छोटों की गलतियों को माफ करते चलेंगे और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन पर अमल करेंगे।

टपक सिंचाई
विशेषता एवं सावधानियां

परम्परागत सिंचाई पद्धति से लगभग 50 प्रतिशत से अधिक सिंचाई जल रिसाव व वाष्पीकरण के माध्यम से नष्ट हो जाता है, फलस्वरुप कृषि की अन्य सभी तकनीकों का उपयोग करने के बावजूद कृषक फसलों की वांछित उत्पादकता नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं।

प्रमुख विशेषताएं

✦ टपक सिंचाई द्वारा पौधों की जड़ों में आवश्यकतानुसार पानी निर्धारित दर से दिया जाता है परिणामतः पौधों की अच्छी वृद्धि होती है।

✦ इस प्रणाली द्वारा पानी की पूर्व निर्धारित दर, भूमि की संरचना, पौधों व फसलों के प्रकार, प्रति पौधों के बीच का अंतर (पौधे से पौधे एवं लाइन से लाइन), तापमान, जलवायु तथा पानी आदि को ध्यान में रखकर क्षेत्र विशेष में प्रदान की जा सकती है।

✦ महंगे रसायनिक खाद व अन्य रसायनों का प्रयोग पौधों की जड़ों में वांछित गहराई तक किया जा सकता है। परम्परागत विधि की तुलना में ड्रिप द्वारा रसायनिक खादों का उपयोग करने पर इनमें 50 प्रतिशत तक की बचत होती है।

✦ पौधों की बढ़वार तेज होने के साथ-साथ उनमें फल भी शीघ्र एवं समरुप लगते हैं एवं उच्च गुणवत्ता के प्राप्त होते हैं।

✦ बहाव सिंचाई विधियों की तुलना में कार्यकारी लागत तथा निंदाई-गुड़ाई में आने वाली लागत 50 प्रतिशत तक कम होती है।

ड्रिप (टपक) सिंचाई विधि

ड्रिप (टपक) सिंचाई की आधुनिकतम विधियों में से एक है। इस विधि से पौधों से सिंचाई जल का धीमा किन्तु सतत प्रयोग हुए पौधों के जड़ क्षेत्र में ड्रिपर (इमीटर) कर मदद से सुगमता पूर्वक पहुंचाया जाता है। इस प्रकार सिंचाई जल का गहराई में प्रवेश, मृदा-जल वाष्पीकरण तथा बहाव जैसे कारणों से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। साथ ही 50 से 70 प्रतिशत तक पानी की बचत की जा सकती है। रसायनिक खादों को पानी में मिलाकर घोल के रुप में ड्रिप पद्धति द्वारा पौधों तक पहुंचाया जा सकता है। इसके उपयोग से मजदूरी खर्च बचत एवं उत्पादन में वृद्धि प्राप्त की जा सकती है।

✦ खरपतवार नियंत्रण सुगमतापूर्वक किया जा सकता है।

✦ सिंचाई जल उपयोग दक्षता 90-95 प्रतिशत तक आती है जबकि बहाव सिंचाई विधि से सिंचाई जल उपयोग दक्षता मात्र 40-50 प्रतिशत तक ही प्राप्त होती है।

✦ बहाव सिंचाई की तुलना में सिंचाई कार्य हेतु मजदूरों की आवश्यकता काफी कम होती है।

✦ भूमि समतलीकरण की आवश्यकता नहीं होती है।

✦ सिंचाई जल वितरण एवं वाष्पीकरण में हवा का प्रभाव नहीं होता है।

✦ खेत के कोनों व सीमा में सिंचाई जल के नुकसान की संभावना नहीं होती है।

✦ ग्रीन हाऊस में टपक सिंचाई का प्रयोग सुगमतापूर्वक किया जा सकता है।

✦ अपेक्षाकृत बड़े क्षेत्र की सिंचाई एक ही समय में तथा समरूपता से की जा सकती है जबकि बहाव विधि में ऐसा संभव नहीं हैं।

✦ अन्य कृषि कार्य जैसे निंदाई-गुड़ाई, पौध-संरक्षण कार्य तथा कटाई इत्यादि हेतु कृषि यंत्रों के प्रयोग में बाधा नहीं होती है।

प्रमुख सावधानियां

✦ विद्युत मोटर पंप चालू करने के पहले वोल्टेज की जांच करें।

✦ शुरू में फ्लश वाल्व खोलें जिससे पाइप लाइन में उपस्थित किसी भी प्रकार के अवरोध को बाहर किया जा सके।

✦ सुनिश्चित करें कि मेन लाइन, सब लाइन तथा लेटरल्स में किसी प्रकार का जल रिसाव न हो।

✦ लेटरल्स लाइन सुनिश्चित स्थान पर ही रखें जिससे सिंचाई जल न तो पौधे से ज्यादा दूर एवं न ही तने के ऊपर गिरे।

✦ जलश्रोत यदि कुंआ (ओपनवेल) हो तो ध्यान रखें कि जल सतह पर किसी प्रकार कचरा एकत्र न हो।

✦ समय-समय पर नीला थोथा य एचसीएल रसायनों का उपयोग कर पाइ दाईनों व ड्रिपर्स की सफाई करें।

✦ खेत में मौजूद प्रत्येक झाड़/ पौधे क निर्दिष्ट प्रमाण के ड्रिपर द्वारा पानी मिल रहा कि नहीं, इसकी जांच करें।

✦ पंप निर्दिष्ट दबाव (प्रेशर) पर काम क रहा है कि नहीं इसकी जांच करें।

✦ फिल्ट्रेशन यंत्र, उप वाहिनी की भ समय-समय पर सफाई करें।

✦ प्रायः खेतों में जानवरों के आने-जा या वहां काम करने वाले मजदूरों की गलती वे कारण ड्रिप प्रणाली के क्षतिग्रस्त भाग को तुरं बदली करें।

✦ ध्यान रखे कि सिस्टम के लिए निर्दि सीमा से ज्यादा कुंए का पानी गहराई में जा पर उसे बंद कर दें क्योंकि कुंए का पानं अधिक गहराई में पहुंचने पर पंप क कार्यप्रणाली पर विपरीत असर पड़ता परिणामस्वरुप फिल्टर के आउटलेट क आवश्यक दबाव नहीं मिलता जिससे ड्रिपर र पानी बाहर आने में रुकावट पैदा होती है औ पानी का संतुलन बिगड़ जाता है।

लाभदायक गर्मियों की जुताई

फसलों को हानि पहुंचाने वाले रोगाणु, रोगजनक, कीड़े, खरपतवारों के बीज फसलों की कटाई के बाद भूमि की दरारों (खाली जगहों) में सुषुप्तावस्था में पड़े रहते हैं और जब अगली फसल की बुवाई की जाती है और अनुकूल मौसम मिलने पर पुनः सक्रिय होकर फसलों को हानि पहुंचाना प्रारंभ कर देते हैं।

खेतों में फसलों की बुवाई के समय बार-बार एक निश्चित गहराई पर 6-7 इंच पर बखर या हेरो चलाने से खेतों में नीचे एक कड़ी परत बन जाती है जिससे वर्षा का सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा नहीं सोखा जाता है, जिससे पानी खेतों से बाहर निकल जाता है, और अपने साथ मिट्टी और फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को भी बहा ले जाता है, ग्रीष्मकालीन जुताई 9-12 इंच तक मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करने पर यह कड़ी परत टूट जाती है, और बरसात का पानी खेतों द्वारा अधिक मात्रा में सोख लिया जाता है, मिट्टी धूप तपने से भी भुरभुरी हो जाती है और मिट्टी में वायु का संचार बढ़ जाता है और खेतों की जल धारण क्षमता बढ़ जाती है, ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई से अनेक लाभ होते हैं।

खरपतवार नियंत्रण

फसलों के लिए खरपतवार एक बड़ी समस्या है कभी-कभी इनके कारण उत्पादन 20-60 प्रतिशत तक कम प्राप्त होता है कुछ ऐसे खरपतवार जैसे- कांस, मौथा, दूब इनकी जड़ भूमि में काफी गहराई तक चली जाती है जिसके कारण निंदाई-गुड़ाई एवं खरपतवारनाशी रसायनों से पूर्ण नियंत्रण नहीं हो पाता है ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करने से इन खरपतवारों के राइजोम, जड़े निकल आती हैं और सूर्य की तपन से सूख कर नष्ट हो जाती है और धीरे-धीरे खेतों से खरपतवार की समस्या कम हो जाती है।

जल संरक्षण

अधिकांशतः किसान भाई फसलों की आवश्यकता के अनुसार एक निश्चित गहराई पर 6-7 इंच लगातार जुताई करते हैं जिससे इस गहराई के नीचे मिट्टी की एक कड़ी परत बन जाती है। जिसके कारण खेतों में जल को अंतः करण करने में बाधा उत्पन्न करती है अतः जुताई अप्रैल महीने में गहरी जुताई (9 इंच से गहरी) करने से यह कड़ी सतह टूट जाती है जिससे वर्षा का सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा सोख लिया जाता है जिससे जल स्तर बढ़ जाता है।

कीट व्याधि नियंत्रण

रबी की फसलों को हानि पहुंचाने (रोग के रोगजनक, कीट लार्वा) वाले रोग के रोगजनक, रोगाणु हानिकारक कीड़े फसल की कटाई के बाद खेतों में ही खेतों की दरारों में सुषुप्तावस्था में पड़े रहते है और जब अगली फसल बोई जाती है तो रोगजनक रोगाणु कीड़े सक्रिय लेकर फसलों को हानि पहुंचाना प्रारंभ कर देते हैं। कभी-कभी इन रोगाणुओं एवं कीटों के कारण सम्पूर्ण फसल नष्ट हो जाती है। ग्रीष्मकालीन से रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई हो जाने से ये रोगजनक, कीड़े भूमि की ऊपरी सतह पर आ जाते है और सूर्य की तपन से नष्ट हो जाते हैं।

मृदा उर्वरता में वृद्धि

विभिन्न रसायनिक क्रियाओं के कारण यह गैस वर्षा जल में घुल जाती है जब पहली बारिश का पानी गिरता है जो उसमें नत्रजन की अधिक मात्रा होती है जो फसलों के लिए आवश्यक है खेत गहरे जुते होने पर यह वर्षा सम्पूर्ण पानी खेतों द्वारा सोख लिया जाता है तो खेतों की उर्वरता में वृद्धि एवं जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है खेत जुते होने से बरसात में मृदा को बचाया जा सकता है।

जायकेदार मूंग

मूंग हमारे देश में खरीफ, बसंत और ग्रीष्म की महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। उत्तम गुणवत्ता और पाचन के लिए इसे खाने में पसंद किया जाता है। मूंग के 100 ग्राम बीज तथा दाल में 24-25 ग्राम प्रोटीन, 1.2 ग्राम वसा, 3.5 ग्राम खनिज, 0.8 से 4.1 ग्राम रेशे, 56.7 से 59.9 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 75 से 124 मिलीग्राम केल्शियम, 326 से 405 मिलीग्राम फास्फोरस, 7.3 से 8.5 मिलीग्राम लोहा, 49 से 94 माइक्रोग्राम कैरोटीन, 0.47 से 0.72 मिलीग्राम थियामिन होता है।

उपयुक्त जातियां

मध्यप्रदेश- के 851, पी.एस.16, पूसा बैसाखी,जी.-65 पी.डी.एम.11, टार्म-2, पी.डी.एम. 54, एच.यू.एम.-1,

राजस्थान- आर.एम.जी.-62, के.851, पूसा बैसाखी, पी.डी.एम.-11, डी.66-26 (सभी किस्मों की पकने की अवधि 60 से 65 दिन), पी.एस.16

खेत की तैयारी

रबी की अगेती फसल कटते ही हल्की सिंचाई करें और बतर आते ही जुताई करके खेत की तैयारी करें।

बुआई का उपयुक्त समय

बुआई का उपयुक्त समय मार्च के द्वितीय सप्ताह से अप्रैल का प्रथम सप्ताह है।

बुआई का तरीका

बसंत मूंग को 25-30 किलोग्राम बीज दर प्रति हेक्टेयर की दर से कतारों की दूरी 25 से.मी. रखकर बोये। ग्रीष्मकालीन मूंग को 30 से 35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 20 से.मी. की कतारों की दर रखकर बुआई करें।

बुआई कुंड में 3 से 4 से.मी. की गहराई पर करें। पौधे से पौधे की दूरी 7 से 10 से.मी. रखें। बुआई से पहले बीज को कवकनाशी दवा से उपचारित करें।

फसल पोषण

आधार खाद में 110 किलोग्राम डायअमोनियम फास्फेट प्रति हेक्टेयर के साथ 50 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से बीज के नीचे ड्रिल करके उपयोग करें।

खरपतवार नियंत्रण

बुआई के 25 से 30 दिन बाद खरपतवार निकाल दें। एक निंदाई करके 'हैंडव्हील हो' (गुड़ाई यंत्र) से गुड़ाई करें। इससे पौधों की बढ़वार अच्छी होती है और घने पौधों की छंटाई भी हो जाती है।

जल प्रबंधन

पहली सिंचाई बुआई के 25 से 30 दिन बाद (फूल आने पर), इसके बाद दूसरी और तीसरी सिंचाई 10 दिन के अंतर से अवश्य करें। पहली सिंचाई बहुत जल्दी करने से जड़ों तथा जड़ ग्रंथियों के विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। फूल आने से पहले तथा दाना भरते समय सिंचाई अत्यंत जरूरी है।

कटाई

फसल की कटाई के लिये जब 75-80 प्रतिशत फलियां पक जाये तो कटाई कर लें। जब खलिहान में फलियां पूरी तरह सूख जाये तो गहाई करके उचित भंडारण करें। बीज के लिये मूंग रखने के लिये 3-5 ग्राम तेल सरसों, मूंगफली और सूरजमुखी का प्रति किलोग्राम बीज की दर से मिलाकर रखने से घुन नहीं लगता।

उपज

बसंतकालीन मूंग की उपज 10 से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त की जा सकती है।

फटाफट खबरें

मान सरकार ने 25 जेल अधिकारी किए सस्पेंड

चंडीगढ़, पंजाब की भगवंत मान सरकार ने जेलों में बढ़ते भ्रष्टाचार और नशा तस्करी के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य की विभिन्न जेलों से जुड़े 25 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें 3 डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, 2 असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट और अन्य जेल कर्मचारी शामिल हैं। सरकारी प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया, कि ये अधिकारी जेलों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और नशा तस्करी से जुड़े गिरोहों को संरक्षण देने के आरोपों में संलिप्त पाए गए थे। इसके अतिरिक्त सरकार को इन अधिकारियों के ठिकानों से कई गंभीर शिकायतें भी सूत्रों से मिलती रही थीं।

ट्रक - बस में टक्कर तीन की मौत

फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया। नगला खंजार थाना क्षेत्र के माइल स्टोन 68.300 के पास दिल्ली से जालौन जा रही एक डबल डेकर बस ट्रक से टकरा गई, जिसमें तीन यात्रियों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस में करीब 60 यात्री सवार थे और रात दो बजे के आस-पास हादसा उस समय हुआ जब चालक को नींद की झपकी लग गई। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर एक पत्थर लदे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

तीन महिलाओं समेत छह उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी की तीन महिलाओं समेत छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को इंफाल पश्चिम जिले के थांगमेइबंद सिंगल लेइकाई इलाके से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी की दो महिला उग्रवादी समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि ये सभी जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल केसीपी-पीडब्लूजी के एक सक्रिय सदस्य को इंफाल पूर्व जिले के सिंगारेल तेजपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

चित्तेरी स्टेशन पास ट्रेन पटरी से उतरी

रानीपेट, तमिलनाडु के रानीपेट जिले में एक ट्रेन पटरी से उतर गई। जिसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। जिले के चित्तेरी रेलवे स्टेशन पर अराकोणम-कटपडी मेमू पैसेंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि ट्रेन के चित्तेरी स्टेशन से रवाना होने के कुछ समय के बाद पटरी से उतर गई। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच में पता चला है कि लोको पायलट द्वारा ट्रेन को तुरंत रोकने से पहले तेज आवाज सुनी गई। लोको पायलट बिना देर किए ट्रेन को रोका जिससे सैकड़ों लोगों की जान बच गई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में मोदी सरकार ने 421 बिल पास किए

कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया

नई दिल्ली, हाल ही में मोदी सरकार ने केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए है। इस दौरान सबसे बड़ी पंचायत संसद भी तमाम बदलावों को होकर गुजरी। मोदी सरकार का आगामी रोडमैप क्या है, इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार में कई महत्वपूर्ण संसदीय निर्णय हुए हैं। उदाहरण के लिए रेल और आम बजट को मिलाने और आम बजट को हर साल 1 फरवरी को पेश करने का ऐतिहासिक फैसला हुआ। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर में समाज के सभी वर्गों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 370 और उसके तहत राष्ट्रपति के आदेशों के कुछ प्रावधानों को निरस्त किया गया। वहीं पीएम मोदी के भविष्यवादी दृष्टिकोण के चलते देश को सितंबर 2023 में नई संसद मिली, जब संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर एक विशेष सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीति निर्माण में जन प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया गया। मोदी सरकार ने अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में अब तक 421 बिल पास किए। वहीं अब तक कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारतीय संसद के लचीलेपन की परीक्षा हुई। तब अनुच्छेद 85 की संवैधानिक अपेक्षाओं को और अत्यावश्यक विधायी कामों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सभी दिशा-निर्देशों का पालन कर तीन सत्रों का आयोजन हुआ।

एथेंस के दक्षिण में एक जंगल में आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों ने फोन अलर्ट भेजकर आस के पास के पांच समुदायों से जंगल खाली करने का आवाह किया, वीस में गर्मियों की पहली गर्मी की लहर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

मेट्रो में लगा दी आग, 22 घायल

सियोल, दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में एक चलती मेट्रो ट्रेन में आग लगने की भयावह घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक 67 वर्षीय व्यक्ति ने पारिवारिक तनाव और पत्नी से तलाक को लेकर गुस्से में आकर ट्रेन के कोच में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस घटना में 22 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि 129 अन्य यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक इलाज देकर रवाना कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी की पहचान वोन नामक व्यक्ति के रूप में हुई है। वह सियोल की मेट्रो ट्रेन में सफर कर रहा था और अचानक अपने ही कपड़ों को आग लगाकर पेट्रोल छिड़क दिया, जिससे ट्रेन का एक पूरा कोच आग की लपटों में घिर गया। घटना के बाद ट्रेन में अफरातफरी मच गई और यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला गया। हालांकि, यह राहत की बात रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई। लेकिन मेट्रो की एक बोगी पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जिससे लगभग 330 मिलियन वॉन का नुकसान होना बताया जा रहा है।

पीएम मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह में कहा...

भारत सेवा प्रधान देश, जीवंत सभ्यता का प्रतीक है

● नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जैन समुदाय द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में आचार्य विद्यानंद जी महाराज को भारत की अध्यात्म परंपरा का प्रकाश स्तंभ बताया और उनके जीवन और विचारों को देश की सांस्कृतिक चेतना का अमूल्य हिस्सा कहा।

मोदी ने कहा, कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है, क्योंकि हमारे विचार, चिंतन और दर्शन अमर हैं। हमारे ऋषि-मुनि, संत और आचार्य इस परंपरा के स्रोत रहे हैं और आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज इसी परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ हैं। सम्मानित किए जाने पर पीएम मोदी ने मंच से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि को प्रसाद की तरह स्वीकार करते हैं और उसे भारत माता के चरणों में अर्पित करते हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 28 जून, 1987 को ही आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज को आचार्य पद की उपाधि प्राप्त हुई थी, जिससे यह तिथि और भी विशेष बन जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने आचार्य जी के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा- जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो। यही विचार भारत की आत्मा से जुड़ा है, और यही सेवा भावना भारत को मानवता प्रधान राष्ट्र बनाती है। पीएम मोदी ने भारत की अहिंसा, सेवा और सह-अस्तित्व की परंपरा पर बल देते हुए कहा कि जब दुनिया हिंसा से हिंसा को समाप्त करने की कोशिश कर रही थी, तब भारत ने अहिंसा को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। इस गरिमामय कार्यक्रम में अनेक साधु-संतों समेत जैन धर्मावलंबियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री ने अंत में आचार्य विद्यानंद जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके आशीर्वाद की कामना की।

'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से हुए सम्मानित

प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई से करेंगे 5 देशों का दौरा, ब्रिक्स में भी होंगे शामिल

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई, 2025 तक घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आधिकारिक विदेश यात्रा पर रहेंगे। यह उनका कार्यकाल का सबसे लंबा विदेश दौरा माना जा रहा है। इस दौरान वह 6-7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित होने जा रहे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

अपनी यात्रा की शुरुआत प्रधानमंत्री घाना से करेंगे, जहां वह 2-3 जुलाई को राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा देंगे। इसके बाद 3-4 जुलाई को वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलकर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती देंगे। प्रधानमंत्री 4-5 जुलाई को अर्जेंटीना पहुंचेंगे और राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात कर कृषि, ऊर्जा, व्यापार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे। 5-8 जुलाई को पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर रहेंगे और ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान वे वैश्विक शासन, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और एआई जैसे मुद्दों पर विचार साझा करेंगे। अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री 9 जुलाई को नामीबिया की पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और वहां वे संसद को संबोधित भी कर सकते हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट हड़कंप, एयरइंडिया के क्रू मेंबर को मिली विमान में बम होने की धमकी

नई दिल्ली, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह हड़कंप मच गया। एयर इंडिया की एक फ्लाइट में क्रू मेंबर को धमकी भरा पत्र मिला, जिसमें लिखा था कि फ्लाइट नंबर 2948 में बम रखा है। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट अधिकारियों के होश उड़ गए और आनन-फानन में फ्लाइट की जांच की गई। हालांकि तलाशी के बाद कुछ नहीं मिला जिसके बाद इसे झूठी धमकी घोषित किया गया।

जानकारी के मुताबिक बम की धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एयर इंडिया की इस फ्लाइट के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। बम निरोधक दस्तों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने हर कोने की बारीकी से जांच की लेकिन किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु या उपकरण नहीं मिला तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। बता दें पिछले कुछ हफ्तों से एयर इंडिया की उड़ानों में कई तकनीकी और परिचालन संबंधी समस्याएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं ने एयर इंडिया के विमानों की सुरक्षा और विश्वसनीयता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। कई उड़ानों को रद्द भी किया जा चुका है जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें यह धमकी ऐसे समय में आई है जब एयर इंडिया हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से उबर भी नहीं पाई है। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस भयानक हादसे में विमान में सवार 242 में से 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज के कई लोग भी इस दुर्घटना का शिकार हुए थे।

33,000 फीट पर था विमान अचानक आई खराबी, यात्रियों की अटक गई सांसें

सात यात्रियों की तबीयत बिगड़ी, मुंबई एयरपोर्ट पर कराई आपात लैंडिंग

मुंबई, अदीस अबाबा से मुंबई की ओर आ रही थी इथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट ईटी640 में शुक्रवार देर रात तकनीकी खराबी आ गई। एयरलाइंस के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान में मिड-एयर डिप्रेशराइजेशन की स्थिति उत्पन्न हुई, जिसके कारण सात यात्रियों की तबीयत बिगड़ गई।

विमान ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रात 1:55 बजे आपातकालीन लैंडिंग की। इस घटना में एक यात्री को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान विमान में करीब 300 यात्री सवार थे। बता दें मिड-एयर डिप्रेशराइजेशन वह स्थिति होती है जब विमान के केबिन में हवा का दबाव कम हो जाता है। यह आमतौर पर तकनीकी खराबी, जैसे केबिन प्रेशर सिस्टम की विफलता या विमान की संरचना में रिसाव के कारण होता है। इससे यात्रियों को सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

इंडिगो फ्लाइट में आई खराबी, मलेशिया में उतारा, कई यात्री फंसे

लुधियाना, सिंगापुर से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट की तकनीकी खराबी के चलते मलेशिया में आपातकालीन लैंडिंग कराली पड़ी। यह घटना से यात्री शबदाए गए। विमान में सवार 227 यात्री कई घंटों से मलेशिया में फंसे हैं और अब तक एयरलाइंस की ओर से कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तकनीकी खराबी के कारण विमान को मलेशिया में उतारा गया है और तब से सभी यात्री वहीं इंतजार कर रहे हैं। अब खबर मिल रही है कि इंडिगो ने आधिकारिक घोषणा किए बिना ही बेंगलुरु से एक नया विमान मलेशिया भेजा है, ताकि फंसे यात्रियों को वापस भेजा जा सके। फंसे यात्रियों और उनके परिजनों ने सोशल मीडिया पर इंडिगो की अनदेखी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को लेकर नाराजगी जताई है। कई लोगों ने पूछा है कि आखिर एयरलाइंस इतने बड़े संकट में भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम क्यों है।

ईरान ने अमेरिका को चेताया कहा...

खामेनेई के प्रति अच्छी भाषा का इस्तेमाल करें ट्रंप

तेहरान, भले ही अमेरिका कितना ही शंहशाह बनने की कोशिश कर ले, लेकिन ईरान आईना दिखाने से पीछे नहीं हटता है। एक बार ईरान ने अमेरिका को चेताते हुए साफ कहा कि सर्वोच्च नेता खामेनेई के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अच्छी भाषा का उपयोग करें।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेताते हुए कहा कि अगर वे सच में कोई समझौता चाहते हैं, तो उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई के प्रति अपनी 'अस्वीकार्य' भाषा छोड़नी होगी। ट्रंप ने इससे पहले खामेनेई को खुली चुनौती दी थी और ईरान पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था। वहीं, अमेरिका द्वारा ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हाल ही में किए गए हमलों पर भी बड़ा खुलासा हुआ है। अमेरिका ने इस्फहान जैसे गहरे भूमिगत ठिकाने पर 'बंकर बस्टर' बम न गिराने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि वहां यह असरदार नहीं होते। इसके अलावा सैटेलाइट तस्वीरें भी इस बात की पुष्टि कर रही हैं कि फोर्दो परमाणु केंद्र में फिर से हलचल शुरू हो गई है। जिस जगह बम गिरे थे वहां जेसीबी मशीनें और मिट्टी ढोने वाले ट्रक हैं। इसी बीच रूस ने यूक्रेन के पोक्रोवस्क शहर के पास 1.10 लाख सैनिकों को तैनात कर दिया है। ये वही इलाका है जिसे पिछले एक साल से रूस अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन की सेना के अनुसार, यह फिलहाल सबसे 'गर्म मोर्चा' बन गया है।

3 जुलाई तक देश के कई राज्यों में होगी भारी बारिश, चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली, देश के कई हिस्सों में अगले सात दिनों तक भारी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रहेगा। दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इससे बाष्पोदीय तक एक ट्रफ रेखा फैली है जो राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड और गंगा के मैदानी इलाकों से होकर गुजर रही है। इसके चलते पश्चिमी भारत के सौराष्ट्र में भारी बारिश हो सकती है। कोंकण, गोवा, महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों और गुजरात में अगले 7 दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और यूपी में 3 जुलाई तक भारी बारिश होगी। इस दौरान 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और सिक्किम में भी भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 1 से 3 जुलाई के बीच बहुत भारी बारिश होगी। दक्षिणी

प्रायद्वीपीय भारत में तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल में 3 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। केरल में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भी 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। पूर्वोत्तर भारत में भी अगले सात दिनों तक अधिकांश स्थानों पर हल्की बारिश होगी। इस दौरान गरज-चमक और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की स्थिति बनी रहेगी।

न्यूक्लियर साइंटिस्ट पर गिरी जिनपिंग की गाज

बीजिंग, चीन में शुक्रवार को नेवी चीफ और एक टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट को एनपीसी से निकाल बाहर कर दिया गया। हांगकांग की मीडिया के अनुसार, चीनी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और देश के राष्ट्रीय परमाणु निगम के उप मुख्य अभियंता लियू शिपेंग को एनपीसी से निकाल दिया गया है।

खबर के मुताबिक, ली सेना के उन जनरल और रक्षा उद्योग के कुछ अधिकारियों में शामिल हैं, जिनके खिलाफ हाल में कार्रवाई की गई है। इसमें कहा गया है कि ली और लियू की एनपीसी सदस्यता समाप्त कर दी गई है। एनपीसी की स्थायी समिति ने शुक्रवार को अपने सत्र के समापन के दौरान शीर्ष जनरल मियाओ हुआ को केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य के पद से हटाने के लिए भी मतदान किया। चीन में शी जिनपिंग के एक फरमान ने पूरे देश में खलबली मचा है।

रथ यात्रा के दूसरे दिन अपनी मौसी के घर के लिए निकले भगवान जगन्नाथ

पुरी, भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पुरी स्थित गुंडिचा मंदिर की ओर बढ़ रही है, जिसे भगवान की मौसी का घर माना जाता है। हर साल भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को जगन्नाथ मंदिर से लगभग 2.5 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर तक खींचकर लाया जाता है। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा यहां एक हफ्ते के लिए ठहरेंगे। इसी तरह के उत्सव के साथ भगवान वापस जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह लौटेंगे।

विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी पुरी में जगन्नाथ महोत्सव रथ यात्रा का दूसरा दिन है। ये रथ यात्रा अगले पड़ाव के लिए निकल चुकी है। शनिवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के तीन रथों को खींचने का काम परंपरा के अनुसार आज सुबह 9:30 बजे फिर से शुरू हुआ। इस रथयात्रा का शुक्रवार शाम 4 बजे शुभारंभ हुआ था। पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया, फिर सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए। भक्तों की भारी भीड़ रही और इस दौरान कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ी। इस वजह से रथयात्रा को बीच में ही विश्राम दे दिया गया। अगले दिन यानी शनिवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को आगे बढ़ाया जा रहा है। पूरा शहर भगवान जगन्नाथ की भक्ति में सराबोर है। रथ खींचने के दूसरे दिन का हिस्सा बनने के लिए हजारों लोग पुरी में पहले ही जमा हैं। कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है, और चारों ओर जय जगन्नाथ के उद्घोष गूंज रहे हैं। इस रथ यात्रा को सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति का महासागर माना जाता है। लाखों लोग हर साल इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इस बार पहले साल की तुलना में भक्तों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है।

ये क्या हुआ ट्रंप देखते ही रह गए और रूस ने कर दिया खेला...

यूक्रेन का सफेद सोना रुस ने अपने कब्जे में लिया

● मॉस्को,

यूक्रेन के खनिज पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से नजर लगाए हुए थे। इसके लिए वे पुरी प्लानिंग भी कर रहे थे, इसी बीच खबर आई कि यूक्रेन का सफेद सोना तो रूस ने अपने कब्जे में ले लिया है। इससे ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। डोनेट्स्क की धरती पर इन दिनों गोलियों की बारिश तो हो ही रही है, लेकिन मिट्टी में छिपे खजाने की जंग भी तेज हो गई है। रूस ने हाल ही में इस इलाके में मौजूद लिथियम की खदान पर कब्जा जमा लिया है। यह सब कुछ ऐसे वक्त में हुआ है जब अमेरिका और यूक्रेन में मिनरल्स की डील हो चुकी है और ट्रंप को उम्मीद है कि आने वाले भविष्य में यूक्रेन के मिनरल्स पर यूएस का कब्जा होगा।

दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने कुछ समय पहले ही यूक्रेन के साथ एक बड़ा समझौता

किया था, जिससे अमेरिका को इस देश के खनिज संसाधनों तक सीधी पहुंच मिलने वाली थी। लेकिन रूस ने जैसे ही इस खदान पर कब्जा किया, अमेरिका की ये योजना अधर में लटक गई है।

सिर्फ लिथियम पर ही नहीं, रूस की नजर अब यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में स्थित एक और रणनीतिक शहर पोखरोव्स्क पर भी है। यूक्रेनी सेना के मुताबिक, रूस ने इस इलाके में 1.10 लाख सैनिक तैनात कर दिए हैं। यह शहर डोनबास क्षेत्र के बचे हुए हिस्से की सप्लाई लाइन का अहम हिस्सा है। लंबे समय से रूस यहां कब्जा करना चाहता है। यूक्रेन के सेनाध्यक्ष ओलेक्जेंडर सिर्स्की ने साफ कहा है कि रूस अब सीधे हमला करने के बजाय पोखरोव्स्क को चारों ओर से घेरने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले यूक्रेनी ड्रोन यूनिट्स ने रूसी हमलों को काफी हद तक रोका था, जिससे रूसी रणनीति को झटका लगा। हालांकि रूस अब बाइक और छोटी गाड़ियों में दो-दो सैनिकों की टीम बनाकर 'कम लागत' की रणनीति अपना रहा है, ताकि बिना बड़ा नुकसान उठाए वह शहर के बाहरी हिस्सों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा सके।

100 एकड़ में है लिथियम भंडार

शेवरोंको गांव के पास मौजूद एक खदान, जिसका क्षेत्रफल सिर्फ 100 एकड़ है, उसमें दबा लिथियम भंडार यूक्रेन की भविष्य की ऊर्जा और टेक्नोलॉजी रणनीति की रीढ़ माना जा रहा था। यही वजह है कि रूस ने अपनी गर्मियों की सैन्य कार्रवाई के तहत इसे रणनीतिक रूप से कब्जा कर लिया। लिथियम वो धातु है जिसे भविष्य की ऊर्जा माना जाता है। दुनिया का हर देश इसे पाने की ख्वाहिश रखता है। बिजली से चलने वाले वाहनों से लेकर स्मार्टफोन तक, हर तकनीक की बैटरी में इसकी जरूरत है। अमेरिका ने तो इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 'क्रिटिकल मटेरियल' की सूची में भी शामिल कर रखा है।

भारत की अंडर 19 टीम ने होव में मैच जीत कर रचा इतिहास

इंग्लैंड में चला वैभव का बल्ला, 175 रन का लक्ष्य 24 ओवर में किया हासिल

■ नईदिल्ली

भारत की अंडर 19 टीम ने इंग्लैंड की युवा टीम को हरा दिया है इंग्लैंड की हार उस मैदान पर हुई जहां इससे पहले टीम इंडिया को कभी जीत हासिल नहीं हुई। वैभव सूर्यवंशी की धुंआधार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने 175 रन के लक्ष्य को 24 ओवर में हासिल कर लिया। होव के काउंटी क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की ओर से सीनियर या जूनियर किसी भी स्तर पर यह पहली जीत है।

इससे पहले भारतीय टीम ने यहां एकमात्र मैच खेला था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। यह मैच अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारत ने 26 साल पहले इस मैदान पर खेला था जहां साउथ अफ्रीका ने भारत को हराया था। उसके बाद टीम इंडिया ने यहां कोई मैच नहीं खेला। 1999 वनडे विश्व कप के दौरान भारतीय टीम वहां मैच खेली थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे धुरंधर खिलाड़ी थे। होव में खेले गए वर्ल्ड कप के उस मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को 4 विकेट से हराया था, लेकिन लंबे समय से चले इस वेन्यू पर हार के मिथक को भारत की अंडर 19 टीम ने तोड़ दिया।

वैभव ने इस मैच में शानदार पारी खेली। उन्होंने आईपीएल वाली फॉर्म को इंग्लैंड के साथ खेले पहले वनडे में भी बरकार रखी। भारत के गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। गेंदबाजी में कनिष्क चौहान ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर 3 विकेट झटके। वहीं मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश ने दो दो विकेट लिए। इंग्लैंड की ओर से टी20 विश्व कप में युवराज सिंह को गला काटने की धमकी देने वाले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने 56 रन बनाए, लेकिन रॉकी का अर्धशतक टीम के काम नहीं आया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.2 ओवर में 174 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने सूर्यवंशी और म्हात्रे की बदौलत धमाकेदार शुरुआत की। दोनों ने शुरुआती 7 ओवर में बिना किसी नुकसान के 71 रन बना लिए लेकिन इनके आउट होने के बाद उप कप्तान अभिज्ञान कुंडू ने नाबाद 45 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत ने यह मैच सिर्फ 24 ओवर में जीत लिया और पांच मैच की सीरीज में बढ़त बना ली। सीरीज का दूसरा वनडे 30 जून को खेला जाएगा। इस सीरीज से पहले भारत को इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 50 ओवर का एक प्रैक्टिस मैच खेलने का मौका मिला। इंडिया अंडर 19 टीम ने इस मैच में मेजबानों को 231 रन से हरा दिया था। भारतीय टीम ने अपनी पारी में 26 छक्के लगाए थे। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 444 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की अंडर 19 टीम 211 रन पर सिमट गई। 5 मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे मैच 30 जून को नॉर्थैम्पटन में खेला जाएगा। तीसरा वनडे मैच 2 जुलाई नॉर्थैम्पटन में, चौथा 5 जुलाई वॉर्सेस्टर और सीरीज का पांचवां और आखिरी वनडे 7 जुलाई को वार्सेस्टर में खेला जाएगा। 12-जुलाई को पहला मल्टी डे मैच खेला जाएगा वहीं 20 जुलाई से दूसरा मल्टी डे मैच केम्सफोर्ड में खेला जाएगा।

श्रीलंका से करारी हार के बाद बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो का इस्तीफा

कोलंबो कोलंबो में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश को श्रीलंका के हाथों पारी और 78 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम को दोहरा झटका लगा। एक तो उसने यह सीरीज 0-1 से गंवा दी, दूसरा बड़ा झटका कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो के इस्तीफे के रूप में सामने आया। मैच खत्म होते ही शान्तो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टेस्ट कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया, जिससे बांग्लादेश क्रिकेट जगत में हलचल मच गई। गौर करने वाली बात यह है कि सीरीज के पहले टेस्ट में शान्तो ने दोनों पारियों में शतक लगाकर इतिहास रचा था और वह ऐसा करने वाले बांग्लादेश के पहले कप्तान बने थे। अचानक उनके इस फैसले ने फैन्स और टीम मैनेजमेंट को हैरानी में डाल दिया है। हालांकि शान्तो ने अपने फैसले की वजह भी साफ शब्दों में बताई। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शान्तो ने कहा कि वह अब टेस्ट टीम की कप्तानी जारी नहीं रखना चाहते क्योंकि यह फैसला उन्होंने टीम के हित में लिया है। उन्होंने कहा, "मैं अब टेस्ट प्रारूप में कप्तान के तौर पर काम नहीं करना चाहता। यह व्यक्तिगत नहीं है। मुझे लगता है कि इससे टीम को मदद मिलेगी।" उन्होंने तीनों प्रारूपों में अलग-अलग कप्तान रखने को लेकर भी चिंता जताई और कहा, मुझे लगता है कि तीन कप्तान होना समझदारी नहीं है।

हर गेंद पर चौका-छक्का नहीं जरूरी : शेफाली वर्मा, सचिन से प्रेरित होकर मजबूत लौटीं

■ नईदिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में वापसी कर रहीं 21 वर्षीय शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया है कि टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के नजरिए में बड़ा बदलाव किया। खराब फॉर्म के चलते बाहर होने के बाद शेफाली ने टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर की पारियां देख-देखकर यह समझा कि हर गेंद को उसकी मेरिट पर खेलना कितना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई के एक वीडियो में शेफाली ने कहा, पहले मैं हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के बारे में सोचती थी लेकिन फिर मुझे समझ में आया कि अच्छी गेंद का सम्मान करना जरूरी है। मैंने सचिन सर की टेस्ट पारियां देखीं और उनसे काफी प्रेरणा मिली।

शेफाली ने बताया कि सचिन को देखते हुए उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गए। उस समय मैं उनका एक भी मैच मिस नहीं करती थी। इस बार मैंने उनके हर मैच को फिर से देखा और सीखा कि अच्छी गेंद को सम्मान देना ही लंबी और अच्छी पारी खेलने की कुंजी है। शेफाली का यह आत्मचिंतन उनके खेल में भी दिखा। घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस पक्की की।

हालांकि, यह सफर आसान नहीं रहा। शेफाली ने खुलासा किया कि पिछले साल टीम चयन से ठीक दस दिन पहले उनके पिता को दिल का दौरा पड़ा था, जिसने उनके लिए हालात और मुश्किल कर दिए। जब भी आप टीम में वापसी करते हैं तो हालात मुश्किल होते ही हैं, लेकिन टीम के माहौल में लौटकर अच्छा लगता है।

मुझे खुशी है कि मैं फिर से टीम का हिस्सा बनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के चयन से दस दिन पहले पापा को दिल का दौरा पड़ा था। उस समय मैं बेहद परेशान थी और मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि हो क्या रहा है।

शेफाली ने बताया कि बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस पर भी काफी ध्यान दिया। "मैंने फिटनेस पर कड़ी मेहनत की। करीब 20-25 दिन बाद जब बल्ला हाथ में लिया तो बेहद अच्छा लगा और मुझे अलग ही ऊर्जा मिली। समय बहुत कुछ सिखा देता है। अब मेरा ध्यान सिर्फ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहेगा, बाकी किस्मत पर छोड़ दूंगी।" शेफाली की ईमानदार स्वीकारोक्ति बताती है कि वह सिर्फ प्रतिभा ही नहीं बल्कि लगातार सीखने और खुद को बेहतर करने की चाहत भी रखती हैं, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी ताकत होती है।

रोमन रेंस की संभावित वापसी से डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई में हलचल

■ नईदिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है कि रोमन रेंस, जो अप्रैल में रेसलमेनिया 41 के बाद से रिंग में नजर नहीं आए हैं, जल्द वापसी कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अगस्त में होने वाले समरस्लैम में वापसी करेंगे। उनकी वापसी को लेकर कई कहानियां और रणनीतियां बन रही हैं। माना जा रहा है कि रेंस, पूर्व यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन के रूप के सदस्यों ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड को मात दे सकते हैं। एलए नाइट की भी खबर इसमें जुड़ती दिख रही है। स्मैकडाउन के एक एपिसोड में ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड ने एलए नाइट पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इसके बाद यह साफ हुआ कि एलए नाइट को इन विरोधियों से निपटने के लिए किसी मजबूत साथी की जरूरत है और इस भूमिका में रोमन रेंस आ सकते हैं।

रोमन रेंस और सैथ रॉलिंस के बीच पुरानी दुश्मनी भी इस संभावित बात में अहम भूमिका निभा सकती है। दोनों रेसलमेनिया 41 में ट्रिपल थ्रेट मैच में आमने-सामने आए थे, जिसमें सीएम पंक भी शामिल थे।

जायसवाल की नजरें सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने पर

नई दिल्ली भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना है, जहां टीम इंडिया की नजरें सीरीज में वापसी पर होंगी।

इस मुकाबले में खासतौर पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर सबकी निगाहें होंगी, जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट में सुनील गावस्कर का करीब 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जायसवाल के लिए शानदार रही। उन्होंने पहले टेस्ट में शतक जमाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी थी। हालांकि शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के शतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दूसरे टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। यशस्वी जायसवाल के अब तक के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 20 मैचों में 52.86 की औसत से 1903 रन बनाए हैं। वह 2000 रन के मील के पत्थर से सिर्फ 97 रन दूर हैं। अगर वह एजबेस्टन टेस्ट में यह 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड दिग्गज सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 23 टेस्ट में 2000 रन पूरे किए थे। अगर यशस्वी एजबेस्टन में इस उपलब्धि से चूकते हैं तो उनके पास अगले मैच में भी गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा। सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले अन्य भारतीयों में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग भी शामिल हैं, जिन्होंने 25-25 टेस्ट में यह कारनामा किया था। हालांकि, पारियों के लिहाज से देखें तो राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग ने 40-40 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे, जबकि गावस्कर को 44 पारियां लगी थीं। यशस्वी जायसवाल ने अब तक 38 पारियां खेली हैं और अगर वह दूसरे टेस्ट की पहली पारी में ही 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम पारियों में 2000 टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन जाएंगे। ऐसे में एजबेस्टन टेस्ट जायसवाल के लिए व्यक्तिगत और भारतीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का बड़ा मौका साबित हो सकता है, साथ ही टीम इंडिया को भी उनकी बड़ी पारी से सीरीज में वापसी की मजबूत उम्मीद होगी।

स्पिनर एडम ने सरे के साथ किया अनुबंध

■ सरे

ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने चार टी20 ब्लास्ट मैच खेलने के लिए सरे के साथ अनुबंध किया है। एडम अगले महीने 6 जुलाई को द ओवल में एसेक्स के खिलाफ सरे के डब्ल-हेडर मैच से पहले पहुंचेंगे। लेग स्पिनर जम्पा ने अपने करियर में 350 से अधिक टी20 विकेट लिए हैं जिसने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग, बिग बैश और द हंड्रेड सहित दुनिया भर की सभी सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी लीगों में ले जाया है, जहां उन्होंने 2023 और 2024 में ओवल इनविंसिबल्स को लगातार खिताब दिलाने में मदद की। सैम कुरेन की सरे प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है, उसने केंट के खिलाफ आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल की, जिसमें क्रिस जॉर्डन ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर जीत सुनिश्चित की। इसके बाद ससेक्स और मिडलसेक्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्यापक जीत हासिल की।

जम्पा का पहला मैच 6 जुलाई को एसेक्स के खिलाफ डबल-हेडर होगा, इसके बाद ग्लॉस्टरशायर से भिड़ने के लिए ब्रिस्टल की यात्रा होगी। वह 11 जुलाई को ओवल में सरे के ग्लैमरगन से भिड़ने से पहले लाइट्स के नीचे फिर से एक्शन में होंगे, उसके बाद 13 जुलाई को रूप लीडर समरसेट के खिलाफ एक और डबल-हेडर में थ्री फेदर्स में अपने शुरुआती स्पेल को समाप्त करेंगे। यदि सरे प्रतियोगिता के नॉकआउट चरणों में पहुंचता है, तो जम्पा क्वार्टर फाइनल और फाइनल डे के लिए उपलब्ध होंगे। सरे में हाई-परफॉर्मेंस क्रिकेट सलाहकार एलेक स्टीवर्ट ने कहा, एडम जम्पा विश्व क्रिकेट में सबसे बेहतरीन टी20 स्पिनरों में से एक हैं और मैं विटैलिटी ब्लास्ट के लिए सरे में उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं। वह मैदान पर अनुभव और तकनीकी कौशल का खजाना लेकर आते हैं और मैदान के बाहर शानदार चरित्र रखते हैं।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी ट्रेविस हेड

■ नईदिल्ली

बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों की पहली पारियां 200 रन से कम पर सिमट गईं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 180 रन बनाए, जिसमें वेस्टइंडीज के जेडन सील्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए।

हालांकि वेस्टइंडीज की टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी और 190 रन पर ऑलआउट होकर सिर्फ 10 रन की मामूली बढ़त हासिल कर पाई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए 310 रन बनाए। इसमें ट्रेविस हेड, वेबस्टर और एलेक्स कैरी की अर्धशतकीय पारियां अहम रहीं। इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 301 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम लड़खड़ा गई और सिर्फ 141 रन पर ढेर हो गई। इस जीत में ट्रेविस हेड का योगदान निर्णायक रहा। उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और अपनी पारी से मैच का रुख बदल दिया। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की। ट्रेविस हेड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 10 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा हैं। हेड ने अब तक 50 टेस्ट में 3199 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 401 चौके लगाकर इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में जो रूट, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बाद चौथा स्थान हासिल कर लिया है। जो रूट ने 119 पारियों में 576 चौके, स्मिथ ने 476 और लाबुशेन ने 443 चौके लगाए हैं।

दूसरे टेस्ट में दो बदलावों के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

■ लंदन

भारतीय टीम 2 जुलाई से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दो बदलावों के साथ उतर सकती है। पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बावजूद टीम इंडिया को कमजोर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के कारण हार का सामना करना पड़ा था। सीरीज का दूसरा मैच एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना है। इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही आराम दिया जा सकता है। वहीं पहले टेस्ट में प्रभावी नहीं रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को बाहर किया जा सकता है। शार्दुल को पहले मैच में अधिक गेंदबाजी नहीं मिली थी। शार्दुल को इस मैच में केवल 16 ओवर ही गेंदबाजी मिली थी।

इसके अलावा शार्दुल ठाकुर बल्लेबाजी में भी असफल रहे थे। पहली पारी में वह एक जबकि दूसरी पारी में 4 रन ही बना पाये थे। शार्दुल पर निचले क्रम पर रन बनाने की जिम्मेदारी थी जिसे वह नहीं निभा पाये। इसी कारण भारत ने पहली पारी में अंतिम 7 विकेट 41 रन के अंदर तो दूसरी पारी में 6 विकेट 31 रनों में ही खो दिये। वहीं बुमराह की जगह दूसरे टेस्ट में आकाशदीप या अर्शदीप सिंह को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। युवा आकाश दीप ने अब तक भारतीय टीम की ओर से सात टेस्ट मैच में अच्छी गेंदबाजी की है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गर्लफ्रेंड को होटल रूम में ले जाने से मचा था हंगामा

■ नईदिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अपने बेफिक्र और मस्तमौला अंदाज के लिए जाने जाते हैं। चाहे क्रिकेट का मैदान हो या निजी जिंदगी का, धवन हमेशा खुलकर जीने में यकीन रखते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी आत्मकथा में अपने करियर के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प और काफी निजी किस्सा साझा किया है, जिसने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। धवन ने खुलासा किया कि 2006 में भारत ए टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड को चुपके से होटल के कमरे में ले गए थे, जो वह अपने साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ शेयर कर रहे थे।

धवन ने अपनी इस किताब में लिखा कि उस लड़की से मिलते ही वह प्यार में पड़ गए थे। उन्होंने बताया, "वह बहुत खूबसूरत थी और अचानक मुझे फिर से प्यार हो गया। मैंने सोचा कि यही लड़की मेरे लिए सही है और मैं इससे शादी करूंगा।" दौरे की शुरुआत में धवन का प्रदर्शन अच्छा रहा। अभ्यास मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया और सब ठीक चल रहा था। लेकिन धीरे-धीरे वह अपनी गर्लफ्रेंड, जिसे उन्होंने किताब में 'एलेन' नाम दिया है, के साथ ज्यादा समय बिताने लगे। इससे उनका ध्यान भटक गया।

उन्होंने आगे लिखा कि हर मैच के बाद वह एलेन से मिलने चले जाते और जल्द ही उन्होंने उसे होटल के कमरे में बुलाना शुरू कर दिया। वह कमरा वह रोहित शर्मा के साथ शेयर कर रहे थे। धवन ने लिखा, "कभी-कभी रोहित मुझसे हिंदी में शिकायत करता था कि क्या तुम मुझे सोने दोगे?" धवन ने यह भी माना कि यह सब धीरे-धीरे पूरी टीम में चर्चा का विषय बन गया। एक सीनियर चयनकर्ता ने उन्हें और एलेन को होटल की लॉबी में हाथ पकड़े चलते हुए देख लिया।

डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने खोला खाता

नई दिल्ली पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 159 रन से जीत दर्ज की और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के चौथे चक्र की अंक तालिका में अपना खाता खोल लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया उन टीमों में शामिल हो गया जिन्होंने इस साइकिल में अपने पहले अंक हासिल कर लिए हैं। इससे पहले बांग्लादेश, श्रीलंका और इंग्लैंड ने तालिका में खाता खोला था। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था, जबकि इंग्लैंड ने भारत को हराकर अंक अर्जित किए थे। ऑस्ट्रेलिया की इस जीत ने डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तस्वीर बदल दी है। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल पहले स्थान पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड दूसरे स्थान पर खिसक गया है। दोनों टीमों के खाते में अभी 100 प्रतिशत पॉइंट्स हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद उनके नेट प्रतिशत और अंक तालिका की स्थिति मजबूत हुई है। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान टीम पर पूरी तरह दबदबा बनाया।

पैट कमिंस ने फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया

■ बारबाडोस

यहां ब्रिजटाउन स्थित केंसिंग्टन ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पैट कमिंस ने कमाल कर दिया। अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर कमिंस ने एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

उन्होंने एक 62 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम था। पैट कमिंस ने केसी कार्टी को तीसरे दिन के पांचवें सत्र में आउट करके यह रिकॉर्ड बनाया और फिर चौथे दिन के दूसरे सत्र में रोस्टन चेज को आउट करके इसे और आगे बढ़ाया। वेस्टइंडीज के कप्तान चेज 44 रनों की मजबूत पारी खेलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाने की कोशिश कर रहे थे, तभी कमिंस ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। केसी कार्टी को आउट करते ही पैट कमिंस ने एक ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में टेस्ट विकेटों की संख्या में रिची बेनो के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इसके बाद रोस्टन चेज को आउट करके उन्होंने बेनो को पीछे छोड़ दिया और कप्तान के रूप में टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सर्वकालिक सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इस प्रतिष्ठित सूची में कमिंस अब महान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान के बाद दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से रिची बेनो ने ऑस्ट्रेलिया का 35 टेस्ट में नेतृत्व किया और इमरान खान ने कप्तान के रूप में 48 लाल गेंद के टेस्ट खेले।

टेस्ट कप्तान के रूप में पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार जीत दिलाई है, जहां उन्होंने 2023 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब जीता और 2025 में फिर से फाइनलिस्ट के रूप में क्वालीफाई किया। बता दें कि कमिंस संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने वाले टेस्ट कप्तान भी हैं, जिनके नाम 9 पांच-विकेट हॉल हैं - इमरान खान के मौजूदा रिकॉर्ड 10 से एक कम। हालांकि, स्पिन गेंदबाज के रूप में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में रिची बेनो शीर्ष पर बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री साय से निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरीजी महाराज ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरि जी महाराज के साथ विभिन्न आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैंकरा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

बूढ़ातालाब में मिला नवजात शिशु का शव

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में स्थित बूढ़ा तालाब में रविवार की सुबह एक नवजात शिशु की तैरती हुई लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। तालाब के पास रहने वाले स्थानीय लोगों ने पानी में नवजात को तैरते हुए देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में लाश अपने आप किनारे आ गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। यह आशंका जताई जा रही है कि किसी ने नवजात को जन्म के बाद तालाब में फेंक दिया होगा। फिलहाल पुलिस आसपास लगे के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आसपास के अस्पतालों से भी जानकारी जुटाई जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चा किसका था और उसे तालाब में किसने फेंका।

00 मुख्यमंत्री ने सुनी 'मन की बात' की 123वीं कड़ी

प्रधानमंत्री मोदी के विचारों ने बढ़ाया उत्साह, छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की अपील - मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सुना और इसे प्रेरणादायी बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जन-भागीदारी और सकारात्मक प्रयासों की चर्चा करते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित लोगों को पहचान और सम्मान मिलता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उपयोगी जानकारियां साझा की। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे नवाचारों के बारे में बताया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है और यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं, तो समाज और देश में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री देश की छोटी-छोटी से लेकर बड़ी उपलब्धियों पर भी अपनी बात साझा करते हैं और उसकी सराहना करते हैं। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने योग दिवस की भव्यता, पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि, 1975 के आपातकाल और भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की वियतनाम यात्रा और भारत के ट्रेकोमा मुक्त होने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत हम सभी का संकल्प है और राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए छत्तीसगढ़ हर मोर्चे पर दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा है।

इस अवसर पर निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज, केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर, कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री राजेश मूणत, विधायक श्री अनुज शर्मा, विधायक श्री राजेश अग्रवाल, विधायक श्री संपत अग्रवाल, विधायक श्री प्रबोध मिंज, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, सीजीएमएससी के चेयरमैन श्री दीपक म्हस्के, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैंकरा, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ग्राम पंचायतों का तुगलकी फरमान : आवास नही बनाया तो नहीं मिलेगा राशन

कोरिया सोनहत। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में बरसात को देखते हुए जून में ही तीन महीने का राशन (जून, जुलाई, अगस्त) एक साथ देने का निर्णय लिया है वही राशन मिलना भी चालू हो गया है . एपीएल और बीपीएल दोनों श्रेणियों के हितग्राहियों को निशुल्क चावल वितरित किया जाएगा. राज्य शासन के निर्देश पर जिले में भंडारण और वितरण की विशेष तैयारियां सुनिश्चित की हैं। तो वही इस आदेश को ठेंगा दिखाते हुए कोरिया जिले की कुछ ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिवों ने आदेश के ठीक विपरीत तुगलकी फरमान जारी कर दिया है यह फरमान प्रधान मंत्री आवास योजना के ऐसे हितग्राहियों के लिए जारी की गया गया है जिन्हें राशि जारी हुई है लेकिन उसके अनुसार उनका निर्माण पूर्ण नही हुआ है, या जिन्होंने राशि लेकर कार्य प्रारंभ नही किया है। दरअसल सोनहत विकास खण्ड में पँचायत के सरपंच सचिवों द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाते हुए तुगलकी फरमान जारी कर दिया गया है इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसार सोनहत की शासकीय उचित मूल्य की दुकान में प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों को राशन न देने का फरमान जारी किया गया है जारी फरमान में कहा गया है कि की आपके खाते में आवास की राशि जमा कर दी गई है और आपके द्वारा आवास नहीं बनाया जा रहा है इसलिए आपको शासकीय उचित मूल्य की दुकान में अब राशन नहीं मिलेगा तथा वाबायदा सरपंच सचिव के द्वारा पत्र और सूची जारी कर दुकान के डीलर को आदेशित किया गया है

पंच संघ ने जताया विरोध कहा वापस ले फरमान अन्यथा होगा विरोध - इस प्रकार के तुगलकी फरमान संज्ञान में आने पर पंच संघ के अध्यक्ष प्रेमसागर तिवारी ने विरोध जताया है . पंच संघ अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास का संबंध राशन से बिल्कुल भी नहीं है गरीब परिवारों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत राशन दिया जाता है इस समय खेती किसानी का समय है गरीब परिवारों का इस बरसात के समय में राशन रोकना उचित नहीं है अभी किसी प्रकार का कोई रोजगार मूलक कार्य भी नहीं चल रहे जिससे कि वहाँ कार्य कर खाद्यान्न की व्यवस्था गरीब परिवार कर सके। पंच संघ अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से मांग किया है इस प्रकार का जारी तुगलकी फरमान वापस हो । प्रधान मंत्री आवास बरसात के समय में बनाने का दबाव उचित नहीं है तथा ग्रामीणों को शासन की नियमानुसार तत्काल राशन वितरण करने आदेश जारी किया जाए ताकि गरीब ग्रामीण परिवारों को खाने की समस्या उत्पन्न न हो। तुगलकी फरमान वापस नही होने की स्थिति में ब्लॉक स्तर पर बड़ा धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन किया जाएगा।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, २०१३ भारत सरकार द्वारा २०१३ में लागू किया गया एक कानून है जिसका उद्देश्य देश की लगभग दो-तिहाई आबादी को सब्सिडी वाला खाद्यान्न उपलब्ध कराना है. इसका मुख्य उद्देश्य है कि लोगों को सस्ती दरों पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना ताकि उन्हें खाद्य और पोषण सुरक्षा मिल सके और वे सम्मान के साथ जीवन जी सकें. पात्र व्यक्ति चावल, और मोटे अनाज क्रमशः २ और १ रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दरों पर ५ किलोग्राम खाद्यान्न प्रति व्यक्ति प्रति माह प्राप्त करने के हकदार है अधिनियम में गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और १४ वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए पोषण संबंधी सहायता का भी प्रावधान है. लेकिन सोनहत विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों ने इस अधिनियम की धज्जियाँ उड़ा दी है, सम्भवना भी जताई जा रही है कि फिलहाल ये प्रदेश का पहला मामला है जहां लोगो का राशन बन्द करने का फरमान जारी किया गया हो।

जीवन रक्षक डॉक्टर समाज के सच्चे नायक हैं - डेका

00 चिकित्सकों के सम्मान समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर। जीवन रक्षक डॉक्टर समाज के सच्चे नायक हैं जो दिन-रात निः स्वार्थ भाव से लोगों की सेवा कर उनकी जान बचाते हैं। उनकी मेहनत, उनका ज्ञान और सेवा भावना समाज को स्वास्थ्य बनाती है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज धन्वंतरी सम्मान कार्यक्रम में उक्त बाते कही।

श्री डेका आईबीसी 24 न्यूज चौनल द्वारा आयोजित धन्वंतरी सम्मान समारोह में कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में राज्य भर के उत्कृष्ट अस्पतालों, चिकित्सकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि भगवान धन्वंतरी के नाम पर रखा गया यह सम्मान डॉक्टरों को समर्पित है जो दिन-रात बिना थके, बिना रूके इंसान की सेवा में लगे रहते हैं। शहर हो या गांव, सामान्य सर्दी-खांसी हो या कोई बड़ी बीमारी डॉक्टर हर इलाज के लिए तत्पर रहते हैं।

श्री डेका ने कहा कि चिकित्सा सबसे श्रेष्ठ व्यवसाय है। भारत एक विशाल देश जहां 140 करोड़ से अधिक लोग रहते है। उनको स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा को व्यवसाय न बनाया जाए इसमे मानवीय संवेदना की जरूरत है। चिकित्सकों का दायित्व बहुत बड़ा है, उनसे बहुत अपेक्षाएं है, धैर्य के साथ सेवा को प्राथमिकता दें। श्री डेका ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत अभियान की परिकल्पना के तहत 'प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत योजना' शुरू की गई है जिसका लक्ष्य भारत को टी.बी. जैसे रोग से सदा के लिए मुक्ति दिलाना है। इसमें आप सब अपनी ओर से महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि टी.बी. के साथ-साथ ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जनमानस में जागरूकता की कमी है। विशेष कर गांवों में इन बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने चिकित्सकों से आव्हान किया कि ब्रेस्ट कैंसर और टी.बी. उन्मूलन के लिए कार्य करें, टी.बी. मरीजों को गोद लें। श्री डेका ने बताया कि वे स्वयं प्रदेश के हर जिले में 10-10 टी.बी मरीजों के निःक्षय मित्र बने हैं और उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध करने के लिए हर माह 500-500 सौ रूपए की राशि दे रहें हैं। उन्होंने राज्य के तीन गांवों को गोद लिया है जहां टी.बी. उन्मूलन विशेष प्राथमिकता में शामिल हैं। श्री डेका कहा कि ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम हेतु गांवों का चयन कर सर्वे कराया जाएगा और महिलाओं को इस रोग के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने चिकित्सकों को भी इस क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

श्री डेका ने सम्मान प्राप्त करने वाले सभी चिकित्सकों को बधाई दी और कहा कि यह समारोह स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक अनुकरणीय प्रयास है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, चैनल के सभी वरिष्ठ अधिकारी, संवाददाता सहित विभिन्न अस्पतालों के संचालक, चिकित्सक एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका से स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्री जायसवाल ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सौजन्य भेंट की।

बैकुंठपुर सांस्कृतिक भवन में जनता ने सुनी मन की बात

कोरिया बैकुंठपुर। रविवार को कोरिया मुख्यालय स्थित सांस्कृतिक भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण बड़े उत्साह के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में आम नागरिक, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह मन की बात का १२३वाँ संस्करण था और सुबह ११बजे से इसका प्रसारण शुरू हुआ । भाजपा जिला संगठन के आह्वान पर कोरिया जिले के सभी मंडलों में "मन की बात " सुनने के लिए भाजपा कार्यकर्ता एवं आम नागरिकगण उपस्थित हुए । उसी तारतम्य में बैकुंठपुर मंडल में भी उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को गंभीरता से सुना और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्थानीय नेताओं ने 'मन की बात' को राष्ट्र निर्माण में प्रेरक बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समाज को जोड़ने और जागरूक करने का सशक्त माध्यम बन चुका है । प्रधानमंत्री ने जहां एक ओर विभिन्न समूहों द्वारा सामाजिक उत्थान के लिए चलाए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया वहीं दूसरी ओर पर्यावरण सुधार के लिए किए जा रहे व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्यों की प्रशंसा की । उन्होंने बताया कि किस प्रकार " एक पेड़ मां के नाम "कार्यक्रम पूरे देश में मिशन का रूप ले चुका है ।आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से युवाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही. जिससे यह स्पष्ट हुआ कि 'मन की बात' आज की पीढ़ी के लिए भी मार्गदर्शक बन रही है। बैकुंठपुर में उक्त कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने कम से कम एक पेड़ लगाने एवं उसके संरक्षण करने की शपथ ली ।नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, अनिल शर्मा, जिला मंत्री शारदा प्रसाद गुप्ता,सुरेंद्र चक्रधारी, ब्रिजेन्द्र जायसवाल, गीता नेमा , ममता गोयन, अनुराग दुबे, छोटू सिंह, विशाल गुप्ता, मनोज सोनी, घनश्याम साहू, प्रवीण गुप्ता, रमाकांत शुक्ला, शाहिद अशरफी, मंजय तिवारी, बबलू सिंह, दिनेश जायसवाल, अभय दुबे, अर्चना गुप्ता, लक्ष्मी सिंह, मनीषा जायसवाल, गंगा गुप्ता, मुकेश सोनी, बबलू महाजन, हीरालाल, माया सोनवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

वित्त सेवा के अधिकारी पारदर्शी, जवाबदेह एवं निष्ठापूर्वक कार्यो का निर्वहन करें -वित्त मंत्री चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ के वार्षिक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के वित्तीय प्रबंधन एवं वित्तीय अनुशासन को मजबूत बनाने में वित्त सेवा अधिकारियों की अहम भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों से अपने दायित्वों को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने संघ द्वारा उठाई गई मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन भी दिया। आमसभा की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रमुख सचिव श्री आर. एस. विश्वकर्मा ने की।

छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ द्वारा राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में वार्षिक आमसभा एवं स्नेह सम्मेलन का आयोजन हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त अधिकारियों के सम्मान समारोह से हुआ। मंच पर उपस्थित अतिथियों और वरिष्ठ अधिकारियों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इसके उपरांत वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सुनिधि स्मारिका के द्वितीय संस्करण का विमोचन करते हुए संघ की नव निर्मित वेबसाइट का विधिवत उद्घाटन किया।

संघ के अध्यक्ष डॉ. अल्पना घोष ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आमसभा की कार्यवाही का संचालन किया तथा विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्ताव सदन के समक्ष रखे, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष श्री अनिल पाटक ने संघ के आय-व्यय का विस्तृत विवरण सभा को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सेवानिवृत्त वित्त अधिकारियों ने अपने दीर्घ अनुभव साझा करते हुए प्रेरक व्याख्यान दिए। वहीं उपस्थित सदस्यों द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को उत्साह एवं उमंग से भर दिया। इस अवसर पर वित्त विभाग की विशेष सचिव श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा, विशेष सचिव श्री चंदन कुमार तथा कोष एवं लेखा संचालक श्री रितेश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत समापन संघ के सचिव श्री सचिन शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जल संरक्षण में कोरिया का मॉडल बना, 5 परसेंट मॉडल

जनभागीदारी से लगातार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण जारी, मोर गांव मोर पानी महाअभियान से जुड़कर नए मानक बनाता आवा पानी झोंकी अभियान

कोरिया बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए कैच द रेन कार्यक्रम अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में वर्षा जल को पूर्णतः संरक्षित कर भूमिगत जल संसाधन बनाने का कार्य शुरू हो चुका है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा मोर गांव मोर पानी महाअभियान आरंभ किया गया है। इस अभियान में शामिल होकर कोरिया जिले के ग्रामीण एक नई पहल के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यहां जिला प्रशासन कोरिया द्वारा आवा पानी झोंकी अभियान चलाकर जनजागरुकता को बढ़ाया गया है और इसके परिणाम स्वरूप अब पूरे जिले में जनभागीदारी के माध्यम से किसानों द्वारा अपने खेतों में पांच परसेंट मॉडल अपनाया जा रहा है। बेहद कम समय में ही जल संरक्षण अभियान आवा पानी झोंकी के अंतर्गत सोनहत जनपद के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगभग ७०० से ज्यादा संरचनाओं का निर्माण किसानों द्वारा द्वारा स्वस्फूर्त होकर किया गया है। वर्षा जल को रोकने में यह एक बेहद कारगर उपाय है। इस अभियान के तहत जिले के खेतों में तथा नीचे के खेतों में लंबे समय तक नमी बनाए रखने का काम करता है।

छोटी संरचनाएं, बड़े बड़े फायदे - पांच परसेंट मॉडल अंतर्गत बनाई जा रही जल संचयन संरचनाओं में वर्षा जल के साथ खेतों का अतिरिक्त जल रुकता है। जो सीधे भूमिगत जल में बदलता है। यह खेतों के आउटलेट पर होने वाले मिट्टी के कटाव को रोकने में उपयोगी है। इससे आस - पास के क्षेत्रों में नमी बनी रहती है। जिससे कम वर्षा या पानी की कमी की स्थिति में फसलें आयोजित की जा रही हैं। जिले में इस हेतु ग्राम पंचायत पोटेडांड और डोहड़ा को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है।

कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी - कोरिया जिले में प्रकृति की सुन्दरता अदभुत है और इसे बनाए रखने के लिए पानी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। क्लीन कोरिया ग्रीन कोरिया को साकार करने के लिए कोरिया के प्रत्येक किसान और आम नागरिकों को अब आगे आना होगा और अपने स्तर पर सुधार करना होगा। सभी अपने छत पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगवाएं। खेतों में जल संरक्षण हेतु पांच परसेंट मॉडल बनवाएं। आसपास के जल स्रोत को प्रदूषित ना करें, उसमें सफाई रखें, उपलब्ध जल का न्यूनतम उपयोग और अधिकतम बचत करने पर ध्यान दें।

सीईओ जिला पंचायत डॉ आशुतोष चतुर्वेदी - कोरिया के सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि, जल संरक्षण और बेहतर फसल उत्पादन के लिए जल संरक्षण हेतु अपने हर खेत में ५फ मॉडल अपनाएं और दूसरों को भी इसे अपनाने प्रेरित करें, सभी जल संरक्षण में भागीदार बनिए, अपनी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य निमार्ता बनिए।

अन्य उपयोग किया जा सकता है।

आवा पानी झोंकी से जुड़ता समुदाय - प्रदेश भर में जल संरक्षण हेतु चल रहे महा अभियान में कोरिया की जन भागीदारी को आगे बढ़ाने के लिए कोरिया जिला प्रशासन ने कई प्रयास किए हैं। आवा पानी झोंकी के तहत पूरे जिले में सामुदायिक भागीदारी से एक साथ तीन घंटे में प्रति ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय में ४- ४ के मान से कुल ६६० सोख्ता गड्ढों का निर्माण करते हुए जल संरक्षण की शपथ ले, अपनी तरह का अलग रिकॉर्ड कायम किया।

गतिविधियों से वातावरण निर्माण - कोरिया जिले में जल संरक्षण के वातावरण निर्माण हेतु व्यापक स्तर पर विभिन्न उपायों को अपनाया गया है। इसके लिए प्रत्येक ग्रामीण और शहरी आयोजन में शपथ, दीवार लेखन, मुनादी, ग्राम पंचायत स्तर तक महिला गोष्ठियां, एवं अलग अलग स्तर पर जल कार्यशालाएं

जल संरक्षण का कोरिया मॉडल,५त्न मॉडल - कोरिया जिले के कृषकों ने जिला प्रशासन कोरिया के अनुरोध पर "५त्न मॉडल" अपनाया है। जिसमें खेत के एक कोने में (लगभग ५त्न भाग पर) सीढ़ीदार गड्ढों का निर्माण किया जाता है, जो कृषि की जरूरत से अधिक समस्त वर्षा जल को भूमिगत जल बनाने में बेहद कारगर है। साथ ही यह उन खेतों में तथा नीचे के खेतों में लंबे समय तक नमी बनाए रखने का उपाय है। जिसके कम वर्षा या पानी की कमी की स्थिति में फसलें अंदरूनी नमी के कारण ज्यादा दिन तक बची रहती हैं। आवश्यकता की स्थिति में इन गड्ढों में भंडारित जल का

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कलेक्टर कोरिया की अपील ला रही रंग, जनप्रतिनिधि बन रहे निक्षय मित्र

कोरिया बैकुंठपुर / जिला कोरिया में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों के लिए प्रोटीन युक्त पोषण आहार उपलब्ध कराने हेतु की गई अपील सकारात्मक परिणाम ला रही है। जिले में जनप्रतिनिधि भी इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभा रहे हैं और निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों की मदद हेतु आगे आ रहे हैं।

इसी क्रम में विगत शनिवार को धरती आवा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत अकलासरई में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति (संचार संकर्म) सुरेश सिंह ने सोनहत विकासखंड के ५ टीबी मरीजों को गोद लिया तथा आगामी छह माह तक अपने मानदेय से पोषण आहार उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कलेक्टर कोरिया एवं जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता प्रयासों से उन्हें यह प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि 'यह अभियान वास्तव में जनसेवा का अवसर है। मैं सभी जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों से अनुरोध करता हूं कि वे भी आगे आकर निक्षय मित्र बनें और कम से कम एक मरीज की सहायता करें।'

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि वर्तमान में जिले में १०७ टीबी मरीज नियमित दवा सेवन कर रहे हैं, जिनमें अधिकांश को छह माह तक इलाज की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि उपचार के साथ-साथ पौष्टिक आहार भी बेहद आवश्यक होता है, जिससे रोगी शीघ्र स्वस्थ हो सके।

कार्यक्रम के अंत में सुरेश सिंह ने कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, सीईओ जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी तथा सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके मार्गदर्शन से यह जनकल्याणकारी अभियान साकार हो रहा है।

इस कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा सोनपाकर, विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप मरावी, जनपद सदस्य कमल कांत, नवरतन पांडेय, ग्राम पंचायत अकलासरई के सरपंच-पंच, ग्रामवासी एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- बलदेव सिंह दूदेजा, बलदेव सिंह दूदेजा द्वारा दूदेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित ● प्रधान संपादक- बलदेव सिंह दूदेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98 ● डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com